हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हरेली पर विशेष......

हरेली पूजा में सूर्यग्रहण का व्यवधान नहीं

हरेली अमावस्या पर आज वर्ष का दूसरा और अंतिम सूर्यग्रहण लगने जा रहे हैं। यह सूर्यग्रहण भारत में दृश्य नहीं होने के कारण सूतक मान्य नहीं होगा। लोग हरेली अमावस्या की पूजा बगैर व्यवधान कर सकेंगे। 12 अगस्त को लगने वाला सूर्यग्रहण भारतीय समयानुसार रात 9:04 बजे से शुरू होगा। इस साल की सावन अमावस्या अर्थात हरेली पर व्यतीपात योग और पुष्य नक्षत्र का योग है। व्यतीपात योग प्रातःकाल से लेकर दोपहर 3 बजकर 26 मिनट तक रहेगा, उसके बाद वरीयान योग बनेगा। व्यतीपात योग में किसी नए या शुभ कार्य की शुरूआत नहीं करते हैं। पुष्य नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर सुबह 7 बजकर 59 मिनट तक रहेगा, उसके बाद शेष पेज 8 पर

हरेली आज : सियार देवता की पूजा कर जादू-टोने और भूत-प्रेत से बचने बांधे जा चुके हैं गांव

सावन के अंतिम दिन होगी राय देवता की पूजा, राजधानी के गांवों में भी तांत्रिक पूजन

उल्टे पंख वाले मुर्गे की पूजा के बाद बंधा गांव निशिथ काल में सीमा पार करने पर पाबंदी

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

अलग खबर

हरेली से पहले शहर से सटे गांव पूजन पश्चात मंत्र से बांध दिए गए हैं। गांव को बांधने की यह प्रक्रिया सावन के पहले रविवार को ही पूर्ण कर ली गई थी। माना-तूता सहित अमलेश्वर व उससे सटे गांवों में भी यह विधान पूर्ण किया गया। गांव की सीमा रेखा की रखवाली करने वाले देव की पूजा उल्टा पांख वाले कुकरा (उल्टे पंख वाले मुर्गे) के साथ की जाती है। तूता ग्राम के उप सरपंच संदीप ने बताया कि उल्टे पंख वाले मुर्गे बहुत मुश्किल से मिलते हैं। पूजन से हफ्तों पहले ही इन्हें ढूंढने की तैयारी शुरू कर दी जाती है। प्रत्येक गांव की सीमा रेखा में एक पत्थर शेष पेज 8 पर

रात्रि 8 बजे ही लगा कर्फ्यू

सावन के पहले रविवार को गांव की सीमा को बांधने के बाद हरेली अमावस्या की रात लोगों ने अपने घरों को बांधा। इसके लिए गोबर से दीवारों पर आकृति बनाने के साथ ही नीम और अंडी के पत्ते लगाए गए। ग्रामवासियों के लिए रात के तीसरे पहर अर्थात 12 बजे से 3 बजे तक निशिथ काल में बाहर निकलना प्रतिबंधित किया गया था क्योंकि इस दौरान ही शेष पेज 8 पर

दरवाजे पर कील ठोकने पालतू पशुओं को वनौषधि खिलाने की अनूठी परंपरा

हरिभूमि न्यूजः कोशलनार। हरेली त्यौहार के दिन मुख्य द्वार की चौखट पर कील ठोकने, पालतू पशुओं को वनौषधि खिलाने और पसु बलि की आदिवासियों की अनुठी परंपरा है। इसके पीछे उनकी मान्यता है कि इस दिन ऐसा करने से किसी भी तरह का जादू- टोना या फिर बुरी शक्ति का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता है। श्रावण मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या को आदिवासी समुदाय के लोग देव अनुष्ठान के लिए बेहद शुभ मानते हैं। इस दिन ग्राम देवी के साथ ग्रामीण अपने-अपने कुल देवता की विशेष पूजा अर्चना कर बकरा, मुर्गा आदि पशु पक्षी की बलि देते हैं। बुधवार शेष पेज 8 पर

देवता प्रसन्न हों, गांव में खुशहाली आए, इसलिए ग्रामीण निभाते हैं 'गांव बनाने' की परंपरा

टेकचंद कारड़ा ▶▶| तखतपुर

क्षेत्र के ग्राम सेमरचुवा और ठकुरीकापा में ग्रामीण हरेली पर्व के पूर्व गांव बनाने की परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। ठकुरीकापा में बैगा सहेतर यादव ने विधिवत पूजा-अर्चना कर गांव बनाने की रस्म शुरू कराई। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव के देवी-देवताओं की पूजा की और एक स्थान पर झंडा गड़ा कर सामूहिक रूप से अनुष्ठान किया। पूजा में मुर्गा, नींबू और नागर आदि रखकर परंपरागत तरीके शेष पेज 8 पर

वर्षों से चली आ रही परंपरा

यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। बारिश के मौसम में गांव में बीमारी फैलने, प्राकृतिक आपदा आने और मवेशियों के बीमार होने की आशंका रहती है। ऐसे में हरेली के पहले देवी-देवताओं को प्रसन्न कर गांव शेष पेज 8 पर

मानसून सत्र का 17वां दिन भी रहा हंगामे के नाम

छात्रों पर चली लाठियां बनी पक्ष और विपक्ष का हथियार! जमकर नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

मानसून सत्र के 17वें दिन भी संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव जारी रहा। संसद परिसर में एनडीए और कांग्रेस सांसदों ने एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने का आरोप लगाया, जबकि कांग्रेस सांसदों ने जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की।

मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को संसद परिसर के बाहर एनडीए और विपक्षी सांसदों आमने-सामने आ गए। एक तरफ जहां एनडीए के सांसद झारखंड में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर राहुल गांधी से माफी की मांग कर रहे थे तो वहीं दिल्ली छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई बर्बरता के लिए विपक्षी दल अमित शाह से इस्तीफा मांग रहे थे।

दोनों ओर से जमकर नारेबाजी की गई। इस दौरान मंगलवार सुबह जैसे ही प्रियंका गांधी संसद पहुंचीं, वहां एनडीए सांसद तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। एक भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। वह नारेबाजी करते हुए पूछ रहे थे कि राहुल गांधी झारखंड क्यों नहीं गए? यह सुनकर प्रियंका गांधी ने तख्ती को ध्यान से देखा। जब भाजपा सांसद ने अपना शेष पेज 8 पर

'इंडिया' ने लगाए शाह के खिलाफ नारे, एनडीए ने चर्चा से भागने का लगाया आरोप

हंगामे के बीच दो विधेयक पारित, कार्यवाही स्थगित

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। हंगामे के बीच ही सदन ने केरल नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 को चर्चा के बिना ध्वनिमत से पारित कर दिया। विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक को सरकार ने संयुक्त समिति यानी जेपीसी को भेजने का फैसला किया है।सूत्रों ने इसकी जानकारी दी।

झारखंड बंद का मिलाजुला असर, स्कूल-दफ्तर खुले

झारखंड के रांची में सोमवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें जाम कीं। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते भी नजर आए। कई शहरों में पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, कई प्राइवेट स्कूल खुले हुए थे। छात्रों ने सोमवार को झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन किया था। विधानसभा घेराव के दौरान 100 से अधिक छात्र घायल हुए। कई छात्रों के हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की बात कही जा रही है। सरकार और छात्रों के बीच अब तक तीन दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका है। हालांकि सरकार ने छात्रों की 9 में से 6 मांगें मान ली हैं।

बिल्डर्स ने सोसाइटी को नहीं दिए दस्तावेज, 595 को रेरा का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (सीजी रेरा) ने रियल एस्टेट परियोजनाओं में कॉमन एरिया और परियोजना से संबंधित दस्तावेजों के हस्तांतरण में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए 595 प्रमोटर्स को नोटिस जारी किया है। प्राधिकरण ने पाया कि रेरा लागू होने के बाद पूरी हो चुकी कई परियोजनाओं में पूर्णता प्रमाणपत्र मिलने के बावजूद प्रमोटर्स ने

परियोजना के कॉमन एरिया, सुविधाओं और संबंधित दस्तावेजों का हस्तांतरण संबंधित सोसाइटी या एसोसिएशन को नहीं किया है। सीजी रेरा के मुताबिक यह कार्रवाई रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत की जा शेष पेज 8 पर

595 परियोजनाओं की हुई समीक्षा

प्राधिकरण ने बताया कि रेरा लागू होने के बाद पूरी हो चुकी परियोजनाओं की समीक्षा की गई। इस समीक्षा में कुल 595 ऐसी परियोजनाओं की पहचान हुई, जिनका पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त हो चुका है, लेकिन प्रमोटर ने आवंटियों की सोसायटी या एसोसिएशन को कॉमन एरिया और संबंधित दस्तावेजों का हस्तांतरण नहीं किया है। इन्हीं शेष पेज 8 पर

15 दिन में जवाब नहीं दिया तो कार्रवाई

सीजी रेरा ने संबंधित प्रमोटर्स को 15 दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। निर्धारित अवधि में जवाब नहीं देने या प्राप्त जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने की स्थिति में संबंधित प्रमोटर्स के खिलाफ भू-संपदा (विनियमन एवं शेष पेज 7 पर

वाड्रफनगर क्षेत्र का मामला

रिश्वत लेते पकड़े गए सहायक ग्रेड 2 कर्मचारी सेवा से बर्खास्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

एरियर्स भुगतान के नाम पर 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए शिक्षा विभाग के सहायक ग्रेड दो कर्मचारी को जिला शिक्षा अधिकारी ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। डीईओ ने यह कार्रवाई एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा की गई कार्रवाई के मामले में विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण शेष पेज 8 पर

- विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम द्वारा दी गई है 3 वर्ष के कारावास की सजा

बंगाल एसआईआर... चुनाव आयोग पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

इस रफ्तार से तो अगला चुनाव आ जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की उस याचिका पर सुनवाई की जो पश्चिम बंगाल में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी हुई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि जो ट्रिब्यूनल उसके आदेश पर बनाए गए थे, अब उनके कामकाज पर नजर

डालने का समय आ गया है। सुनवाई की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि काफी समय बीत चुका है, इसलिए अब यह देखना जरूरी है कि अभी तक कितने मामलों का निपटारा हुआ है। शेष पेज 8 पर

कितनी अपील कितनों पर फैसला

कोर्ट ने ईसी से राज्य में एसआईआर से जुड़े मामलों में कितनी अपीलें दाखिल हुईं, कितनों पर फैसला हुआ और कितने मामले अभी लंबित हैं, इसकी जानकारी मांगी है। इससे यह साफ होगा कि वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की ओर से दाखिल अपीलों पर शेष पेज 8 पर

राम मंदिर के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर के लिए शुरू हुई प्रक्रिया

सीईओ का इंटरव्यू देने पहुंचे कलेक्टर, एसपी, आर्मी अफसर

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या राम मंदिर के प्रशासनिक संचालन के लिए पहले चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) की नियुक्ति प्रक्रिया तेज कर दी है। देशभर से मिले 5,300 से अधिक आवेदनों में से चयन के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए 18 उम्मीदवारों के इंटरव्यू की चार दिवसीय प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पहले दिन मंगलवार को 8 पूर्व अफसरों ने इंटरव्यू दिया। इनमें 3 पूर्व आईएएस, एक आईपीएस और 4 पूर्व सैन्य अफसर शेष पेज 8 पर

यह पूछे गए सवाल

इंटरव्यू सुबह साढ़े 11 बजे से 2 बजे तक चला। सूत्रों के मुताबिक, हर कैंडिडेट का 15-20 मिनट तक इंटरव्यू हुआ। उनसे कहां-कहां काम किया? धार्मिक क्षेत्र में क्या काम किया? भगवान राम में कितनी आस्था है? परिवार में कौन-कौन है? इस तरह के सवाल किए गए। 4 दिन तक चलने वाले इंटरव्यू में 18 कैंडिडेट शामिल होंगे।

ट्रस्ट लगाएगा अंतिम मुहर

तीन सदस्यीय पैनल द्वारा चुने गए तीन नामों को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंपा जाएगा। इसके बाद ट्रस्ट के पदाधिकारी इन तीनों उम्मीदवारों का इंटरव्यू लेंगे और उनमें से एक योग्य नाम पर अंतिम मुहर लगाएंगे। मंदिर की बढ़ती प्रशासनिक व्यवस्थाओं, शेष पेज 8 पर

5,300 लोगों ने किया था आवेदन

सीईओ पद के लिए 5,300 से ज्यादा लोगों ने आवेदन किया था, लेकिन सिर्फ 18 लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट ने सीईओ पद के लिए 13 से 18 जुलाई तक आवेदन मांगे थे। आवेदकों से ऑनलाइन गूगल फॉर्म के जरिए 34 सवालों के जवाब मांगे गए थे। इन्हीं के शेष पेज 8 पर

हरेली तिहार
के गाड़ा-गाड़ा बधाई

जहां हरेली (हरियाली) वहां के राज्य में खुशहाली

छत्तीसगढ़ के लोगों के बीच सबसे लोकप्रिय और सबसे पहला त्यौहार हरेली त्यौहार है। पर्यावरण को समर्पित यह त्यौहार छत्तीसगढ़ी लोगों का प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण दर्शाता है। सावन मास की अमावस्या तिथि को मनाया जाने वाला यह त्यौहार पूर्णतः हरियाली का पर्व है इसीलिए हिंदी के हरियाली शब्द से हरेली शब्द की उत्पत्ति मानी जाती है।

मूलतः किसानों का पर्व हरेली – किसानों का यह त्यौहार उनकी औज़ार पूजा से शुरू होता है, किसान आज काम पर नहीं जाते घर पर ही खेत के औजार व उपकरण जैसे नांगर, गैंती, कुदाली, रापा इत्यादि की साफ-सफाई कर पूजा करते हैं साथ ही साथ बैलों व गायों की भी इस शुभ दिन पर पूजा की जाती है। छत्तीसगढ़ के गाँव मे तो इस पर्व की बड़ी धूम दिखती है।

Contact for ad
93408-08313

बिलासपुर

बुधवार 12 अगस्त 2026

श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या

वर्ष : 26, अंक : 142

पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम

अधि. 32.2

न्यून. 24.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

पाठक सूचना

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026 का मास्टर कूपन कल के अंक में देखें।

दर्जनभर चिकित्सा शिक्षकों का पदस्थापना आदेश संशोधित

ये कैसा खेल...पदोन्नति के बाद नए मेडिकल कालेजों में पदस्थ 10 प्राध्यापकों का 45 दिन में ही तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पदोन्नति का लाभ देने के बाद प्रदेश में इसी साल अस्तित्व में आए पांच शासकीय मेडिकल कालेजों में पदस्थ 10 प्राध्यापकों का 45 दिन में ही तबादला कर दिया गया। मंगलवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 12 चिकित्सा शिक्षकों की पदस्थापना का संशोधित आदेश जारी किया है। जून के अंतिम सप्ताह में विभाग ने 40 सह-प्राध्यापकों को प्राध्यापक बनाया था, जिसमें संशोधित आदेश में शामिल 11 डाक्टरों के नाम थे।

खास खबर

राज्य में पांच नए चिकित्सा कॉलेज

महाविद्यालयों में इस साल एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू होनी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग यहां शिक्षकों की भर्ती के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी दौर में 25 जून को राज्य के शासकीय मेडिकल कालेजों में पदस्थ 40 चिकित्सा शिक्षकों को पदोन्नत कर प्रोफेसर बनाकर नए स्थान पर पदोन्नति दी गई थी। प्राध्यापकों की पोस्टिंग में पांचों नए मेडिकल कालेज शामिल थे। आदेश जारी होने के तुरंत बाद कुछ डाक्टरों ने अपना पुराना क्षेत्र छोड़ने से इनकार कर दिया था। ट्रांसफर कैंसिल करवाने के लिए वे पदोन्नति का लाभ भी छोड़ने के लिए तैयार थे। मंगलवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 11 प्राध्यापक और 1 सह-प्राध्यापक का पदस्थपना संशोधित आदेश जारी कर दिया। इस आदेश में 10 ऐसे प्राध्यपकों के नाम शामिल हैं, जो नए मेडिकल कालेज, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, जशपुर, दंतेवाड़ा, मनेन्द्रगढ़ में पदस्थ किए गए थे। 45 दिनों में इनका ट्रांसफर विभिन्न चर्चाओं का कारण बनने लगा है।

इधर

इनकी पदस्थापना संशोधित

प्राध्यापक डा. स्निग्धा जैन कबीरधाम से वापस रायपुर मेडिकल कालेज, डा. मनीष पाटिल जांजगीर से सीएमसी दुर्ग, डा. शशिकला कोसम जशपुर से कबीरधाम, डा. नरेन्द्र नरसिंह मनेन्द्रगढ़ से महासमुंद, डा. विशाल कुलकर्णी दंतेवाड़ा से कांकेर चिकित्सा महाविद्यालय, डा. केशव कश्यप जांजगीर से बिलासपुर, डा. चंद्रपाल भगत जशपुर से दुर्ग, डा. अजय हलवाई जांजगीर से दुर्ग, डा. राजेन्द्र रात्रे कबीरधाम से महासमुंद, सह-प्राध्यापक डा. विवेक शर्मा कबीरधाम से दुर्ग, डा. राजीव रतन जैन बिलासपुर से रायपुर, डा. नितिन वेल महासमुंद से दुर्ग के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पदस्थ किए गए हैं।

डायरेक्टर प्रोफेसर बनाने की तैयारी

चिकित्सा शिक्षा विभाग में लंबे समय से प्राध्यापक के रूप में काम करने वाले डाक्टरों को डायरेक्टर प्रोफेसर बनाने की तैयारी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग में इसके योग्य चिकित्सकों को सूचीबद्ध करने का काम शुरू कर दिया गया है। डायरेक्टर प्रोफेसर के रूप में इन्हें उच्च वेतनमान का लाभ मिलेगा। इसी तरह वर्ष 2017 बैच के एसोसिएट प्रोफेसरों की पदोन्नति की आने वाले दिनों में सुगबुगाहट का दौर शुरू हो गया है। चिकित्सा महाविद्यालयों में पदस्थ डाक्टरों की पदोन्नति की प्रक्रिया काफी समय बाद पूरी की जा रही है।

खबर संक्षेप

मनमोहन के खिलाफ कैंपेन था सुनियोजित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में

क्लीन चिट मिलने के कुछ दिन बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोनिया ने मंगलवार को एक अखबार में प्रकाशित अपने आर्टिकल में आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के खिलाफ लॉबी कैंपेन सुनियोजित और संगठित था।

आईपीएल क्रिकेटर अभिषेक रेप के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाले बंगाल के क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को रेप केस में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी मंगलवार को कोलकाता में हुई। यह मामला एक मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें पोरेल पर रेप, आपराधिक धमकी और अन्य आरोप लगाए गए हैं। पीड़ित ने जून में शिकायत दर्ज कराई थी।

एसआईआर में कटा वोटर लिस्ट से मेरा नाम : राज

बेंगलुरू। जाने माने एक्टर प्रकाश राज ने बड़ा दावा किया है। उनका

कहना है कि बेंगलुरु निर्वाचन क्षेत्र से उनका वोटिंग राइट डिलीट कर दिया गया है। एसआईआर की प्रक्रिया के बाद ये सब हुआ है। प्रकाश ने कहा कि वो बेंगलुरु में जन्मे हैं। यही पर उन्होंने पढ़ाई और थियेटर किया है।

इंदिरा के हत्यारे का बेटा लड़ेगा पंजाब चुनाव

चंडीगढ़। अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ने पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 चुनाव के लिए अपना पहला उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी ने बस्सी पठाना विस सीट से सतवंत सिंह को उम्मीदवार बनाया है। सतवंत, केहर सिंह के बेटे हैं, जिसे इंदिरा गांधी हत्याकांड में फांसी हुई थी। सतवंत सिंह की उम्मीदवारी की घोषणा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तरसेम सिंह ने की। तरसेम सिंह जेल में बंद खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह के पिता हैं।

सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति असद को फांसी की सजा

दमिश्क। सीरिया की एक अदालत ने मंगलवार को देश के पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद और उनके छोटे भाई माहेर अल-असद

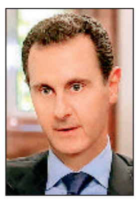

को फांसी की सजा सुनाई। दोनों को गृहयुद्ध के दौरान लाखों लोगों की हत्या और अत्याचार के मामलों में दोषी ठहराया गया। इसी मामले में बशर अल-असद के मामा के बेटे अतीफ नजीब को भी फांसी की सजा सुनाई गई। बशर और माहेर दिसंबर 2024 में सरकार गिरने के बाद रूस भाग गए थे। पुतिन सरकार ने उन्हें शरण दी हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को दी सख्त चेतावनी

उम्र-लिंग की सीमा नहीं, हर लापता की तुरंत दर्ज करना होगा एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने लापता लोगों के एफआईआर मामले में राज्य सरकारों को सख्त चेतावनी दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलने पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने का उसका निर्देश हर व्यक्ति पर लागू होगा, चाहे वह बच्चा हो या वयस्क, पुरुष हो या महिला। कोर्ट ने कहा कि उसके पहले के आदेश में इस्तेमाल किया गया शब्द 'व्यक्ति' उम्र या लिंग से सीमित नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलते ही तत्काल एफआईआर दर्ज करने का उसका निर्देश हर व्यक्ति पर लागू होता है, चाहे उसकी उम्र या लिंग कुछ भी हो। कोर्ट ने कहा कि उसके पहले के आदेश में इस्तेमाल किए गए 'व्यक्ति' शब्द का अर्थ केवल बच्चों तक सीमित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को चेतावनी दी कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधित मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जा सकती है।

खास खबर

फैसले को समझाया

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने मानव तस्करी रोकने और लापता लोगों का पता लगाने से जुड़े मामले में पहले दिए आदेशों के अमल की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिया। कोर्ट को बताया गया कि कुछ राज्य 22 मई, 2026 के आदेश की गलत व्याख्या करते हुए मान रहे हैं कि उसमें 'व्यक्ति' शब्द का मतलब केवल बच्चे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस व्याख्या को खारिज करते हुए इसे 'जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण तरीके से उठाया गया बहाना' बताया। पीठ ने कहा कि उसके आदेश की भाषा पूरी तरह स्पष्ट है और 'व्यक्ति' का अर्थ हर व्यक्ति है, चाहे वह वयस्क हो या बच्चा तथा उसका लिंग कुछ भी हो।

आदेश का पालन नहीं होने पर जारी होगा नोटिस

पीठ ने कहा कि यदि किसी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने आदेश का पालन नहीं किया है तो संबंधित मुख्य सचिव और डीजीपी को अवमानना नोटिस जारी किया जाएगा। उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित होकर हलफनामा दाखिल करना होगा और बताना होगा कि जानबूझकर आदेश की अवहेलना करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

सुप्रीम कोर्ट का सभी पुलिस थानों को निर्देश

22 मई के आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने सभी पुलिस थानों को निर्देश दिया था कि किसी भी व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिलते ही बिना प्रारंभिक जांच का इंतजार किए तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। पुलिस परिवार या अभिभावकों से पहले खुद तलाश करने को कहकर जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। कोर्ट ने कहा था कि लापता होने के बाद शुरुआती कुछ घंटे 'गोल्डन आवर्स' होते हैं और इसी अवधि में सुरक्षित बरामदगी की संभावना सबसे अधिक रहती है। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (**BNS**), 2023 तथा अपहरण, बहला-फुसलाकर ले जाने या मानव तस्करी से संबंधित अन्य कानूनी प्रावधान शामिल किए जाने के निर्देश भी दिए गए थे।

एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स को विशेष निर्देश

कोर्ट ने मानव तस्करी की आशंका वाले मामलों को चार महीने की अवधि पूरी होने का इंतजार किए बिना संबंधित विशेष इकाई को सौंपने और सभी एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स को पूरी तरह सक्रिय करने का भी निर्देश दिया था। वहीं, बरामद व्यक्ति को सत्यापन के बाद बिना देरी उसके सही अभिभावक या परिवार को सौंपने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, यदि परिवार या अभिभावक खुद तस्करी में शामिल हों तो पीड़ित को उनके हवाले नहीं किया जाएगा।

अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं करने पर नाराजगी

5 अगस्त के आदेश में कोर्ट ने कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं करने पर नाराजगी जताई और उन्हें प्रथमदृष्टया अवमानना का दोषी माना। लद्दाख के मुख्य सचिव और डीजीपी को भी व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया। केंद्र सरकार को देशभर के संबंधित पोर्टलों को छह सप्ताह में एकीकृत करने का निर्देश दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर, 2026 को दोपहर 2 बजे होगी।

पान मसाला नहीं मिलेंगे अब प्लास्टिक पाउच में लगाया गया प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने पान मसाला की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक को बैन कर दिया है। नए नियमों के तहत कंपनियां अब सिर्फ पेपर, टिन या ग्लास कंटेनर में ही पान मसाला पैक कर बेच सकेंगी। एफएसएसएआई ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड पैकेजिंग अमेंडमेंट रेगुलेशन 2026 को नोटिफाई कर दिया है। ये नए नियम तुरंत लागू हो गए हैं। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा नए नियमों में बताया गया है कि उत्पाद की पैकेजिंग के लिए कौन-कौन सी प्लास्टिक-मुक्त सामग्री इस्तेमाल की जा सकती है। नए नियमों के मुताबिक पैकेजिंग में प्लास्टिक, एल्युमिनियम फॉइल और मेटलाइज्ड लेयर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

■ एफएसएसएआई ने लागू किए नए नियम

यह है नए प्रावधान में

संशोधन फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (पैकेजिंग) रेगुलेशन्स, 2018 में बदलाव किया गया है । नए एफएसएसएआई प्रावधानों के मुताबिक पान मसाला को कागज, पेपरबोर्ड, सेलुलोज या अन्य प्राकृतिक स्रोतों से बने मटीरियल में पैक किया जा सकता है। लेकिन ये मटीरियल पूरी तरह से प्लास्टिक-मुक्त होना चाहिए। इसमें यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पॉलीप्रोपीलीन, पॉलिएस्टर, पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी), या कोई भी अन्य सिंथेटिक पॉलिमर, कोपॉलीमर या लेमिनेट नहीं हो सकते।

साइबर फ्राड पर चार राज्य में छापे, दुबई तक नेटवर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के साउथ-वेस्ट डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस स्टेशन ने देशभर में फैले साइबर इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और 'म्यूल अकाउंट' सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए केरल, महाराष्ट्र, गुजरात और पंजाब से 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के तार कतर और दुबई से भी जुड़े पाए गए हैं। अब तक की जांच में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) की 34 शिकायतों में 15.71 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा हुआ है।

■ 15.71 करोड़ रुपए के बड़े साइबर घोटाले का भंडाफोड़

ऐसे पकड़ में आया मामला

पीड़ित को व्हाट्सएप ग्रुप्स में जोड़ा गया था, जिन्हें निवेश सिखाने वाला प्लेटफॉर्म बताया गया था। आरोपित फर्जी शेयर बाजार विश्लेषक बनकर फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए भारी मुनाफे के झूठे स्क्रीनशॉट और कहानियां दिखाते थे।

विदेशी कनेक्शन भी उजागर

पूछताछ में मुख्य आरोपी जमालुद्दीन फैसल ने खुलासा किया कि कतर में रहने के दौरान वह इस नेटवर्क के संपर्क में आया था।

एएआईबी को सुपुर्द की गई जांच

अचानक 300 फीट नीचे कैसे आई एयर इंडिया फ्लाइट

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली

नागर विमानन मंत्रालय ने कहा है कि हाल में एयर इंडिया की उड़ान के दौरान हुई घटना की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो सभी तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच करेगा। यह घटना 4 अगस्त को हुई थी, जब फुकेत से दिल्ली आ रहे एयर इंडिया के विमान की उड़ान के दौरान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी। हालांकि, बाद में विमान स्थिर हो गया और दिल्ली में सुरक्षित लैंडिंग हुई। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी फिलहाल घटना से जुड़े सभी प्रासंगिक तकनीकी, परिचालन, चिकित्सकीय और मानवीय कारकों से संबंधित साक्ष्यों को व्यवस्थित तरीके से जुटाने, सुरक्षित रखने और उनकी जांच करने में लगा है। किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी उपलब्ध भौतिक एवं अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया जाएगा, ताकि घटना की परिस्थितियों और इसके लिए जिम्मेदार संभावित कारकों का पता लगाया जा सके। मंत्रालय के अनुसार, जांच के आधार पर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों की पहचान की जाएगी।

हस्तक्षेप तभी संभव है, जब निर्णय स्पष्ट रूप से मनमाना या कानून के विपरीत साबित हो

टैट परीक्षा विवाद, 20 अभ्यर्थियों की याचिकाएं खारिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीजी टैट)-2024 की फाइनल आंसर-की से हटाए गए प्रश्नों को दोबारा शामिल करने की मांग करने वाले 20 अभ्यर्थियों को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली। जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद की सिंगल बेंच ने सभी याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि परीक्षा और अकादमिक मूल्यांकन जैसे मामलों में अदालतें विशेषज्ञों की राय में सामान्य तौर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। हस्तक्षेप तभी संभव है, जब निर्णय स्पष्ट रूप से मनमाना, ▶▶|शेष पेज 8 पर

व्यापमं ने बताई प्रश्न हटाने की वजह

सुनवाई के दौरान सीजी व्यापमं की ओर से बताया गया कि विवादित प्रश्न एक ही गद्यांश पर आधारित थे। प्रिंटिंग की त्रुटि के कारण गद्यांश से पहले ही उससे संबंधित प्रश्न छप गए थे। इससे प्रश्नों के क्रम में विसंगति पैदा हो गई। व्यापमं ने बताया कि मामले को विषय विशेषज्ञों की समिति के सामने रखा गया था। समिति की सिफारिश के आधार पर सभी सेटों से संबंधित प्रश्नों को हटाने का निर्णय लिया गया, ताकि सभी परीक्षार्थियों के साथ समान व्यवहार हो। हटाए गए प्रश्नों के अंक निर्धारित फॉर्मूले के अनुसार सभी अभ्यर्थियों को समान रूप से दिए गए।

मॉडल आंसर-की से अधिकार नहीं बनता

हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद माना कि प्रश्नों को हटाने का फैसला बिना विचार किए नहीं लिया गया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल प्रोविजनल या मॉडल आंसर-की के आधार पर किसी अभ्यर्थी के न्यूनतम पात्रता अंक पूरे हो जाने से उसे कोई वैधानिक अधिकार प्राप्त नहीं होता। अदालत ने कहा कि आपत्तियों और विशेषज्ञों की राय के बाद तैयार होने वाली फाइनल आंसर-की के आधार पर ही अंतिम परिणाम निर्धारित होता है। कोर्ट ने सभी 20 याचिकाएं खारिज कर दीं।

अधिसूचित जिले: बस्तर, बेमेतरा, बीजापुर, कोरिया, सारंगगढ़-बिलाईगढ़, गरियाबंद, जांजगीर-चांपा, कबीरधाम, कांकेर, सक्ती, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी

खरीफ 2026 मौसम हेतु अधिसूचित फसलें धान सिंचित, धान असिंचित, मक्का, उड़द, अरहर, मूँग, मूँगफली, सोयाबीन, कोदो, कुटकी, रागी

■ योजना के मुख्य बिंदु :
- कृषक द्वारा देय प्रीमियम बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत
- शेष प्रीमियम राशि का भुगतान भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा किया जावेगा
- ओलावृष्टि, जलभराव, बादल फटने, आकाशीय बिजली से नुकसान होने पर स्थानीय आपदा अंतर्गत दावा भुगतान
- स्थानीय आपदा की स्थिति में-धान फसल में जलप्लावन से होने वाली क्षति इस घटक मे शामिल नही है
- फसल कटाई के उपरांत आगामी 14 दिनों तक खेत में सुखाने हेतु बंडलो में रखी फसल को चक्रवात, बैमौसम/चक्रवाती वर्षा से नुकसान होने पर दावा भुगतान
- कम वर्षा या विपरीत मौसम अवस्थाओं के कारण फसल बुवाई विफलता पर दावा भुगतान
- फसल उत्पादन के आधार पर व्यापक क्षति की स्थिति में, राज्य शासन एवं योजना के प्रावधानों के अनुसार फसल क्षति का मूल्यांकन एवं निर्धारण किया जाएगा।
- अनावरी के आंकड़े इस योजना अंतर्गत दावा भुगतान के लिए मान्य नही होंगे

■ योजनांतर्गत शामिल होने वाले कृषक :
- ऋणी कृषकों का बीमा ऋण दायी संस्था द्वारा नियमानुसार किया जायेगा।
- गैर-ऋणी कृषक अपना बीमा बैंक शाखा/कॉपरेटिव सोसाइटी/लोक सेवा केंद्र (CSC)/पोस्ट ऑफिस/AIDE-एजेंट/फसल बीमा ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से निर्धारित तिथि के अंदर फसल का बीमा करा सकते है।
- गैर-ऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज-नवीनतम आधार कार्ड, बैंक पासबुक, भूमि एवं फसल बुवाई संबंधित दस्तावेज।

ऋणी कृषक: ऋणी कृषक जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन (Opt-out) प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिन पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा।
- योजना से बाहर होने (Opt-Out) का निर्णय पूरी तरह किसान की इच्छा पर आधारित है। किसी भी किसान को बैंक शाखा द्वारा (Opt-Out) के लिये बाध्य नहीं किया जाएगा।
- ऑप्ट-आउट की कार्यवाही केवल एक मौसम-वर्ष के लिए ही लागू होगी; जिसके लिए किसान द्वारा ऑप्ट-आउट घोषणा दी गई है।
- बैंक शाखाएं किसानों द्वारा प्रस्तुत योजना से बाहर होने (Opt-out) की प्रपत्रानुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र को निरीक्षण/सत्यापन हेतु सुरक्षित रखेंगी।

अऋणी कृषक: अधिसूचित इकाई में अधिसूचित फसल लगाने वाले सभी गैर ऋणी कृषक ऐच्छिक तौर पर योजना का लाभ लेने हेतु पात्र होंगें।

योजना सम्बंधित अधिक जानकारी एवं अपनी शिकायत दर्ज करने हेतु कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क करे या व्हाट्सएप चैटबॉट नंबर 70655-14447 का उपयोग करे या www.pmfby.gov.in पर जाएँ या क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल एप का प्रयोग करें या अपने निकटतम कृषि कार्यालय, बैंक शाखा, CSC सेंटर या बीमा कंपनी से संपर्क करें।

स्थानीय आपदाओं से बीमित फसल में नुकसान होने पर 72 घंटे के भीतर फसल नुकसान की सूचना देना आवश्यक है।

PMFBY अंतर्गत दावा भुगतान सफल बनाने हेतु कृपया अपने संबंधित बैंक शाखा से PFMS पोर्टल से खाता संख्या को सत्यापित करवाये अथवा आधार नंबर को सही बैंक खाता से लिंक कराये।

योजना संबंधित अधिक जानकारी के लिए फार्ममित्र ऐप डाउनलोड करें

FARMITRA

चिंतन

कॉलेजों में रैगिंग पर जीरो टॉलरेंस जरूरी

रैगिंग को लेकर देश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कानून और नियमों की कमी नहीं है, अगर कमी है तो उनके प्रभावी पालन और जवाबदेही की। सूरत के सरकारी मेडिकल कॉलेज में फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट डॉक्टर हर्ष पंड्या की मौत ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक कब लगेगी? डॉक्टर बनने आए युवा अगर अपने ही वरिष्ठों की प्रताड़ना से इस कदर टूट जाएं कि उन्हें जिंदगी खत्म करने जैसा कदम उठाना पड़े, तो यह पूरे संस्थागत तंत्र की गंभीर विफलता है। रैगिंग को अक्सर नए छात्रों से परिचय, अनुशासन या कॉलेज की 'परंपरा' के नाम पर सामान्य बनाने की कोशिश की जाती है, लेकिन जब यही कथित परंपरा मानसिक प्रताड़ना या शारीरिक उत्पीड़न में बदल जाए तो इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। मेडिकल कॉलेज जैसे संस्थान, जहां छात्रों से भविष्य में दूसरों की जिंदगी बचाने की अपेक्षा की जाती है, वहां किसी जूनियर को भय और हिंसा के माहौल में रखना और भी गंभीर सवाल पैदा करता है। हर्ष पंड्या मामले में चार सीनियर छात्रों पर रैगिंग का आरोप लगा है। कॉलेज प्रशासन ने उन्हें छह महीने के लिए निलंबित किया, हॉस्टल खाली करने का आदेश दिया और एफआईआर भी दर्ज कराई। एचओडी और तीन फैकल्टी सदस्यों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। यह कार्रवाई जरूरी है, लेकिन पर्याप्त नहीं। सवाल यह है कि अगर रैगिंग की शिकायत पहले भी की गई थी, तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या संस्थान के जिम्मेदार लोगों को संभावित खतरे का अंदाजा नहीं हुआ? वहीं, रैगिंग के उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 457 शिकायतें दर्ज हुई थीं। 2023 में यह संख्या 655 और 2024 में 758 हो गई। 2025 में 693 शिकायतें सामने आईं, जबकि 2026 में 22 जुलाई तक ही 520 मामले दर्ज हो चुके हैं। दूसरी ओर, नेशनल एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों का आंकड़ा 2021 के 532 से बढ़कर 2025 में 1,369 हो गया। रैगिंग की समस्या को हल्के में नहीं लिया जा सकता। देश में यूजीसी के एंटी-रैगिंग नियम वर्ष 2009 से लागू हैं। वर्ष 2016 में संशोधित भी किया गया। कॉलेजों में एंटी-रैगिंग कमेटियां, हेल्पलाइन, शपथ-पत्र और जागरूकता कार्यक्रम जैसी व्यवस्थाएं भी मौजूद हैं। फिर भी शिकायतों का सामने आना बताता है कि नियम बनाना और उनका पालन कराना दो अलग बातें हैं। जूनियर छात्र तभी आवाज उठाएगा जब उसे यह भरोसा होगा कि शिकायत करने के बाद उसकी पहचान सुरक्षित रहेगी और उसके खिलाफ बदले की कार्रवाई नहीं होगी। कॉलेज प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिकायत मिलते ही तत्काल जांच हो, पीड़ित को सुरक्षा मिले और दोषी पाए जाने वालों पर बिना किसी दबाव के कार्रवाई हो। साथ ही शिकायत को दबाने, नजरअंदाज करने या देर करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हो। अब समय आ गया है कि हर कॉलेज और विश्वविद्यालय रैगिंग के खिलाफ वास्तव में जीरो टॉलरेंस अपनाए। शिकायत के बाद नहीं, शिकायत की आशंका से पहले व्यवस्था सक्रिय हो। दोषियों के साथ-साथ लापरवाह प्रशासन पर भी कार्रवाई हो और शिकायत तंत्र के साथ-साथ कॉलेज प्रशासन और शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही तय हो। क्योंकि किसी छात्र की जिंदगी बचाने के लिए हमें उसकी मौत का इंतजार नहीं करना चाहिए। इसलिए समय रहते सभी कॉलेजों और शिक्षण संस्थाओं को जागरूक होकर छात्र हितों के लिए आगे आना होगा, ताकि भविष्य में रैगिंग के कारण किसी की छात्र की जान न जाए।

आर्थिकी
-डॉ. जयंतीलाल भंडारी

महंगाई, मानसून और टैरिफ की चुनौती

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश की है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में वृद्धि के संकेत हैं। जीडीपी की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी।

इन दिनों देश में बढ़ती महंगाई, कमजोर मानसून और अमेरिका के बहुआयामी टैरिफ-वीजा संबंधी नई मुश्किलों पर प्रकाशित हो रही रिपोर्टें भारतीय अर्थव्यवस्था की चिंताएं बढ़ा रही हैं। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद देश में महंगाई, आर्थिक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि से जुड़ी तस्वीर पेश की है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2026- 27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई का अनुमान 5.0 प्रतिशत कर दिया है। खाद्य वस्तुओं के क्षेत्र में महंगाई में वृद्धि के संकेत हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। खास तौर से रेपो रेट (वह ब्याज दर जिस पर बैंक रिजर्व बैंक से कर्ज लेते हैं) को लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत के स्तर पर यथावत रखा गया है।

रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि आने वाले दिनों में मानसून, अल नीनो और पश्चिम एशिया के संघर्ष की वजह से खाने-पीने की वस्तुएं और ईंधन महंगे हो सकते हैं। निसंदेह इस समय पश्चिम एशिया संकट और अमेरिकी प्रशासन की आर्थिक नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर चौतरफा दबाव देखने को मिल रहा है। हालिया रिपोर्टों के अनुसार, भारत को कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, माल ढुलाई संकट और व्यापारिक बाधाओं जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में प्रस्तुत ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और व्यापारिक अनिश्चितता के चलते जुलाई 2026 में भारत की आर्थिक गतिविधियां पिछले चार वर्षों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। यद्यपि भारत की आंतरिक आर्थिक बुनियाद मजबूत है, लेकिन युद्ध के कारण उत्पन्न वैश्विक जोखिम और कच्चे तेल की मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती हैं। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार ईरान युद्ध के चलते आपूर्ति शृंखला बाधित हुई है, जिससे उर्वरक और कृषि से जुड़ी वस्तुओं के आयात में लागत बढ़ी है। इससे ग्रामीण आय और कृषि विकास दर पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही ऊर्जा गलियारों में जारी गतिरोध के कारण माल ढुलाई (फ्रेट) और बीमा लागत में भारी वृद्धि हुई है, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और रुपये पर दबाव बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि इस समय अमेरिका से भी भारत के लिए तीन परिदृश्य नई चुनौतियां के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमेरिकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमेरिका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमेरिका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है। यह चिंता जनक है कि अमेरिकी सीनेट में 25 जुलाई को पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़

सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। गौरतलब है कि अमेरिका द्वारा 24 जुलाई से भारत समेत 17 देशों से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत का टैरिफ लगाया गया है। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। इसी परिप्रेक्ष्य में इन विभिन्न कारणों से एक बार फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर बढ़ने लगा है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पश्चिम एशियाई संकट और लॉजिस्टिक कीमतों में बढ़ोतरी का भारत की विकास दर पर प्रतिकूल असर होगा। ऐसे में एडीबी ने भारत के लिए इस वित्त वर्ष 2026-27 के लिए पूर्व में निर्धारित की गई 6.9 प्रतिशत विकास दर को घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में वर्ष 2026- 27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ का मानना है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत में आर्थिक चुनौतियां बढ़ा सकती हैं। हालांकि इस समय भारत आपूर्ति चुनौतियों से निपटने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है, फिर भी चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत तक ले जाने के लिए रणनीतिपूर्वक नए आर्थिक उपायों के साथ आगे बढ़ना होगा। सरकार को 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मंत्र को और अधिक आक्रामक ढंग से उपयोग में लाना होगा। वैश्विक झटके और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भारत को अपनी समष्टि-आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए अपनी रणनीतियों में बदलाव करना होगा। केंद्रीय बैंक को अब महंगाई को नियंत्रण में रखने के साथ-साथ विकास की गति को थमने से बचाना होगा।वैश्विक संकट के समय निजी निवेश में सुस्ती आना स्वाभाविक है। ऐसे में आर्थिक गतिविधियों को सहारा देने के लिए सरकार को अपने पूंजीगत व्यय को लक्ष्य के अनुरूप तेजी से कारगर बनाना होगा। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे रेलवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, नए बंदरगाहों और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी। बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश बढ़ने से इस्पात, सीमेंट और निर्माण जैसे मुख्य क्षेत्रों में मांग बनी रहती है, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नए रोजगार पैदा होते हैं और अर्थव्यवस्था का चक्र घूमता रहता है। वैश्विक आपूर्ति शृंखला में नए सिरे से व्यवधान आने की आशंका को देखते हुए भारत को घरेलू विनिर्माण पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी।

उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का दायरा बढ़ाकर उन क्षेत्रों को शामिल करना चाहिए जो आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं। भारत को अपनी निवेश नीतियों को और अधिक सरल बनाकर वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करना होगा। अब बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के बीच मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) को भी ढाल बनाना होगा।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

सारा संसार

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली स्थित सातवीं शताब्दी का रॉकफोर्ट उच्ची पिल्लाय मंदिर भगवान गणेश को समर्पित है, जिन्हें स्थानीय लोग पिल्लयार के नाम से जानते हैं। पौराणिक कहानियों के मुताबिक इसे भगवान राम के राज्याभिषेक की कथा और रावण की विभीषण की मूर्ति छिपाने में गणेश जी की अहम भूमिका से जोड़ती है। यह मंदिर तिरुचिरापल्ली के मनोरम दृश्यों में शामिल है।

आनंद आपके भीतर है, जिसे खोजने की जरूरत नहीं

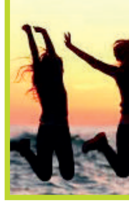

संकलित
दर्शन

कल्पना क्या है और सच्चाई क्या है! इसे समझने के लिए आपकी जड़ का मजबूत होना जरूरी है। सारी कल्पनाएं आपके अंदर हैं। यह कल्पना नहीं है, यह सच है। कल्पना में डूबना बड़ा आसान है, सच्चाई को जानना बहुत मुश्किल है। जिसको आप खोज रहे हैं, वह आपके अंदर है। उसे जानिए, पहचानिए, उसके साथ थोड़ा समय बिताइए, क्योंकि उसमें सबकुछ है। जो आपके भीतर है, वह है शांति। किसी चीज का न होना शांति नहीं है। किसी चीज का होना शांति है। जब मनुष्य खुद को जानेगा, खुद को समझेगा, तब उसके जीवन में शांति होगी। जैसे भोजन खा लेने पर भूख खत्म होती है, उसी प्रकार खुद को जान लेने पर तृष्णा मिट जाती है। शांति मिल जाती है। सोचें कि यह शरीर आपको क्यों मिला है? जिन तत्त्वों से शरीर बना है, वे सारे तत्त्व वहीं वापस चले जाएंगे जहां से ये आये थे। जिस तरह पानी, पानी में मिल जाता है। सारी चीजें प्रकृति में घुल जाएंगी। क्या समझते हैं आप कि जब बच्चा पैदा होता है तो इस धरती का वजन बढ़ता है! या जब कोई मर जाता है तो इस धरती का वजन कम होता है! वजन न तो बढ़ता है न कम होता है। क्योंकि जिन चीजों से आप बने हुए हैं वे तो अभी यहीं हैं। परंतु क्या आपने उस चीज को जाना, समझा जो आपके शरीर के अंदर है? इसे जान गए, पहचान गए, फिर आनंद ही आनंद है। आपका नाम आपके शरीर का नाम है। नाम कमाने से क्या होगा। नाम नहीं, ज्ञान कमाइये। आनंद कमाइए। ये आप अपने साथ ले जा सकते हैं।

बहुत सारे काम के बदले एक काम को बेहतर करें

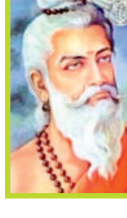

संकलित
प्रेरणा

पुराने समय में भारद्वाज मुनि थे। वे देवगुरु बृहस्पति के पुत्र थे। भारद्वाज बहुत सारा ज्ञान हासिल करना चाहते थे। उनकी सोच ये थी कि उन्हें संसार की सारी बातों का ज्ञान हो जाए। इसके लिए वे लगातार अध्ययन करते रहते थे। एक दिन बृहस्पति ने अपने पुत्र भारद्वाज से कहा कि पूरे संसार का ज्ञान वेदों में है। अगर तुम वेद पढ़ लोगे तो समझ लो कि तुमने पूरा ज्ञान हासिल कर लिया है। पिता की बात मानकर भारद्वाज वेद पढ़ने लगे। भारद्वाज मुनि की संकल्प शक्ति और पढ़ाई की एकाग्रता देखकर देवराज इंद्र प्रसन्न हो गए और वे भारद्वाज के सामने प्रकट हुए। इंद्र ने कहा कि मैं तुम्हारी लगन देखकर बहुत प्रसन्न हूं। तुम मुझसे कोई भी वर मांग सकते हो। भारद्वाज ने इंद्र से कहा कि संसार में ज्ञान बहुत सारा है, लेकिन मेरी उम्र बहुत कम है। कृपया करके मेरी उम्र सौ साल बढ़ा दीजिए। इंद्र ने भारद्वाज की उम्र सौ वर्ष और बढ़ा दी। भारद्वाज मुनि को ज्ञान हासिल करते-करते सौ वर्ष भी बीत गए। इसके बाद देवराज इंद्र ने उनकी उम्र सौ साल और बढ़ा दी। अगले सौ साल और बीत गए, लेकिन भारद्वाज को पूरा ज्ञान नहीं मिल सका। जब अगले 100 भी बीत गए गए, तब इंद्र भारद्वाज के सामने प्रकट हुए और बोले कि भारद्वाज सामने तीन पहाड़ हैं। क्या हम इन पहाड़ों से एक मुट्ठी मिट्टी लेकर इन पहाड़ों की व्याख्या कर सकते हैं? ये संभव नहीं है। ठीक इसी तरह संसार का ज्ञान है। संसार का ज्ञान अथाह है। किसी एक व्यक्ति के लिए पूरा ज्ञान हासिल करना संभव नहीं है।

श्रद्धा
शान्तनु शुक्ला

सावन में ही क्यों बरसती है महादेव की विशेष कृपा

सावन का महीना आते ही पूरा देश शिवमय हो उठता है। मंदिरों में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते हैं, कांवड़ यात्राओं में आस्था का सैलाब उमड़ता है और करोड़ों श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर सावन को भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना क्यों माना जाता है? सनातन परंपरा में सावन को भगवान शिव की आराधना, तपस्या और आत्मशुद्धि का विशेष काल माना गया है। समुद्र मंथन की पौराणिक कथा में जब हलाहल विष निकला और उससे समस्त सृष्टि पर संकट मंडराने लगा, तब भगवान शिव ने लोककल्याण के लिए उस विष को अपने कंठ में धारण

कर लिया। मान्यता है कि विष की उष्णता को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर जल अर्पित किया। इसी भाव से शिवलिंग पर जलाभिषेक की परंपरा का विशेष महत्व जुड़ा हुआ है। सावन प्रकृति के नवजीवन का भी प्रतीक है। वर्षा से धरती की तपन शांत होती है और चारों ओर हरियाली छा जाती है। भगवान शिव का संबंध स्वयं प्रकृति, पर्वतों, वनों और समस्त जीव-जगत से माना जाता है। इसलिए सावन और शिव आराधना का संबंध प्रकृति और आध्यात्मिकता के अद्भुत संगम को दर्शाता है। सावन का संबंध माता पार्वती की कठोर तपस्या से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तप किया था। इसलिए इस महीने शिव-पार्वती की आराधना को विशेष महत्व प्राप्त है। सावन भक्तों को यह संदेश देता है कि सच्ची श्रद्धा के साथ किया गया तप, धैर्य और समर्पण जीवन को नई दिशा दे सकता है। वास्तव में शिवलिंग पर चढ़ाया जाने वाला जल केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि एक गहरा आध्यात्मिक संदेश है। जल मनुष्य के भीतर की तपन को शांत करने का प्रतीक है। जब भक्त शिवलिंग पर जल चढ़ाता है, तो वह प्रतीकात्मक रूप से अपने क्रोध, अहंकार, लोभ और नकारात्मक विचारों को भी महादेव के चरणों में समर्पित करता है। शिव आराधना का अर्थ केवल मंदिर जाना नहीं, बल्कि शिव के गुणों को अपने जीवन में उतारना भी है। त्याग, तप, संयम, करुणा, सरलता और लोककल्याण—यही शिवत्व के मूल भाव हैं। सावन इसलिए केवल एक महीना नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की जीवंत आध्यात्मिक परंपरा है। यह हमें प्रकृति से जोड़ता है, महादेव से जोड़ता है और अंततः अपने भीतर मौजूद शिवत्व को पहचानने की प्रेरणा देता है। सावन का सच्चा संदेश यही है—बाहर शिवलिंग पर जल चढ़ाने के साथ-साथ भीतर के अहंकार और अशांति को भी शांत किया जाए। तभी शिव आराधना जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। हर हर महादेव!

(लेखक धार्मिक मामलों के विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

एनटीए से छात्रों की अपेक्षाएं

राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए से अभ्यर्थियों की अपेक्षा केवल निष्पक्ष परीक्षा की नहीं होती, बल्कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की भी होती है। प्रश्नपत्र, रिकॉर्डेड रिस्पॉन्स, प्रोविजनल उत्तर कुंजी, आपत्ति दर्ज करने का अवसर, अंतिम उत्तर कुंजी और परिणाम- इन सभी चरणों की स्पष्ट जानकारी उम्मीदवारों को समय पर मिलनी चाहिए। यदि किसी प्रश्न या परीक्षा को लेकर जांच चल रही है तो उसकी जानकारी भी आधिकारिक रूप से दी जानी चाहिए। इससे अफवाहों और सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर रोक लगेगी। आज के डिजिटल युग में एक संक्षिप्त आधिकारिक सूचना जारी करना कठिन नहीं है। छात्रों की सभी अपेक्षाएं पूरी की जानी चाहिएं।

-पवन ठाकुर, बिलासपुर

ट्रेंड

शहद एक्सपोर्ट

पहली बार, त्रिपुरा से दुबई 1 मीट्रिक टन सरसों का शहद एक्सपोर्ट किया गया है। यह खेप हमारे नॉर्थ-ईस्ट के मधुमक्खी पालकों को इंटरनेशनल मार्केट से जोड़ती है, जिससे हमारे किसानों की आमदनी बढ़ेगी और इस इलाके के एग्री-एक्सपोर्ट इकोसिस्टम के लिए नए रास्ते खुलेंगे।

- **पीयूष गोयल,** केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

सदन की गरिमा

गृहमंत्री अमित शाह छात्रों से जुड़े मुद्दे पर सदन में अपना पक्ष रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कांग्रेस और पूरे विपक्ष से यह उम्मीद की जाती है कि वे तथ्यों का सामना करें, सदन की गरिमा बनाए रखें और जवाब को पूरा सुनें। लोकतंत्र में बहस से प्रतिष्ठा बढ़ती है, न कि भागने से।

- **योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

अर्थव्यवस्था

क्या आलू के लिए किसान को '1 रुपये प्रति किलो' का दाम देने से '1 ट्रिलियन' डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगी? यह 'डील में ढिलाई' का नतीजा है। देश का किसान हैरान और परेशान है।

- **अखिलेश यादव,** पूर्व सीएम, उप्र

आकांक्षाओं के अनुरूप

हमारा मकसद झारखंड के अपने युवा साथियों की उम्मीदों और आकांक्षाओं के अनुरूप आगे बढ़ना है, और हम लगातार आगे बढ़ते रहेंगे। बीजेपी झूठ, धोखे और साज़िशों का अपना पारंपरिक काम जारी रखेगी। - **हेमंत सोरेन,** सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

कोलंबिया भूकंप: शोध में सामने आईं इमारतें ढहने की वजहें

कोलंबिया के चोको प्रांत में सैन जोस डेल पालमार के पास आए शक्तिशाली भूकंप के बाद स्थानीय लोग और अधिकारी बड़े पैमाने पर बचाव एवं राहत अभियान में जुटे हैं। इस भूकंप से काली, मैनिजालेस और पेरेइरा शहरों में भारी नुकसान हुआ है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, 7 .4 तीव्रता का यह भूकंप मुख्य रूप से स्ट्राइक-स्लिप भ्रंश (फॉल्ट) के कारण आया। सरल शब्दों में, इस तरह के भूकंप में धरती की पपड़ी के दो हिस्से एक-दूसरे के ऊपर या नीचे जाने के बजाय क्षैतिज दिशा में खिसकते हैं और आपस में टकरा जाते हैं। यह घटना वेनेजुएला में भूकंप आने के करीब एक महीने बाद हुई है, जिसमें 58 हजार से अधिक इमारतों के नष्ट या क्षतिग्रस्त होने और हजारों लोगों की मौत की आशंका जताई गई थी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में किए गए कुछ अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि आसपास के भूकंपीय भ्रंश एक-दूसरे को प्रभावित कर सकते हैं। एक भ्रंश पर होने वाली हलचल दूसरे नजदीकी भ्रंश पर दबाव बढ़ाकर भूकंप ला सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, कोलंबिया में अपनाई जाने वाली निर्माण पद्धतियां इस तरह के भूकंप में इमारतों के अधिक नुकसान का कारण बन सकती हैं।

ऑफ बीट

कुत्ते पढ़ सकते हैं आपका दिमाग और चेहरा

जब आप रोते हैं तो आपका कुत्ता अपना सिर झुका लेता है, जब आप तनाव में होते हैं तो इधर-उधर टहलता है, और आपके सबसे बुरे पलों में किसी न किसी तरह आपके पास होता है। यह महज संयोग तो नहीं हो सकता। हजारों सालों के सह-विकास ने कुत्तों को हमारी आवाजों, चेहरों और यहां तक कि मस्तिष्क के रसायन विज्ञान को समझने के खास तरीके दिए हैं। हमारी बातचीत को समझने वाले मस्तिष्क के क्षेत्रों से लेकर हमारी नजरें मिलाने पर बढ़ने वाले 'लव हार्मोन' या ऑक्सीटोसिन तक, आपके कुत्ते का दिमाग आपकी भावनाओं को समझने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस असाधारण भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रमाण मस्तिष्क में ही शुरू होता है। कुत्तों के मस्तिष्क में आवाज के प्रति संवेदनशील क्षेत्र होते हैं, जो इंसानों के समान होते हैं। एक 'ब्रेन इमेजिंग' अध्ययन में, अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि कुत्तों के 'टेम्पोरल कॉर्टेक्स' में आवाज को समझने वाले क्षेत्र होते हैं, जो ध्वनियों के जवाब में सक्रिय हो जाते हैं। कुत्ते न केवल किसी भी ध्वनि पर, बल्कि आपकी आवाज के भावनात्मक स्वर पर भी प्रतिक्रिया देते हैं। कुत्तों के मस्तिष्क के अध्ययन से पता चलता है कि भावनात्मक ध्वनियां, मसलन हंसी, रोना, गुस्से से चीखना उनके श्रवण और भावनाओं को समझने से संबंधित मस्तिष्क के एक हिस्से को सक्रिय करती हैं।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ को जेम सस्टेनेबल प्रोक्योरमेंट अवार्ड सरकारी खरीदी दोगुनी होकर 3,935 करोड़ पहुंची

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) के 10वें स्थापना दिवस समारोह में जेम सस्टेनेबल प्रोक्योरमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। राज्य सरकारों के लिए निर्धारित 'प्रीमियर अवाड्र्स – स्टेट गवर्नमेंट फेलिसिटेशन' श्रेणी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार जेम के प्रभावी उपयोग तथा इसके माध्यम से शासकीय खरीदी के मूल्य और मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए प्रदान किया गया है।

खुली प्रतिस्पर्धा से 130 करोड़ की बचत

जेम प्लेटफॉर्म पर पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ शासन को 130 करोड़ की बचत हुई है। यह बचत विभागों द्वारा खरीदी के लिए अनुमानित लागत और खुली प्रतिस्पर्धी बोली के बाद प्राप्त वास्तविक बाजार मूल्य के अंतर से हुई है। जेम की खुली बोली प्रक्रिया, मानकीकृत विनिर्देश और प्रत्येक लेन-देन का डिजिटल एवं ऑडिट योग्य रिकॉर्ड शासकीय खरीदी में पारदर्शिता और प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों में प्रतिस्पर्धी खरीदी के माध्यम से राज्य शासन को कुल 235 करोड़ की बचत हुई है। खरीदी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में निर्धारित जांच और निगरानी व्यवस्था लागू है। साथ ही निविदा की शर्तों एवं तकनीकी विनिर्देशों की नियमित समीक्षा की जाती है, जिससे खरीदी की गुणवत्ता सुनिश्चित होने के साथ बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता बनी रहे। छत्तीसगढ़ में जेम के माध्यम से शासकीय खरीदी वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 3,935 करोड़ पहुंच गई। यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 113 प्रतिशत की वृद्धि है।राज्य शासन द्वारा विभागों, निगमों और स्थानीय निकायों की खरीदी को एक साझा एवं पारदर्शी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने के सुनियोजित प्रयासों से यह वृद्धि संभव हुई है। इससे अधिकाधिक शासकीय खरीदी खुली प्रतिस्पर्धा के दायरे में आई है और प्रत्येक लेन-देन में प्रतिस्पर्धी दर निर्धारण तथा पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

जेम ने उद्यमियों के लिए खोले शासकीय बाजार के द्वार : साय- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जेम ने छत्तीसगढ़ के उद्यमियों को बिना किसी मध्यस्थ के सीधे शासकीय मांग और बाजार से जुड़ने का सशक्त माध्यम उपलब्ध कराया है। महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के उद्यमियों और स्टार्टअप की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि इस पारदर्शी व्यवस्था की सफलता को दर्शाती है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खुला और पारदर्शी डिजिटल मार्केटप्लेस प्रत्येक उद्यमी को समान अवसर प्रदान करता है। हमारी सरकार का प्रयास है कि इस व्यवस्था का लाभ प्रदेश के अधिक से अधिक सूक्ष्म एवं लघु उद्यमियों, महिला उद्यमियों, अनुसूचित जाति-जनजाति के उद्यमियों और स्टार्टअप तक पहुंचे। हम पारदर्शी शासकीय खरीदी के साथ स्थानीय उद्यमिता को सशक्त बनाकर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

हाथियों और वन्यजीवों की लगातार मौत पर हाईकोर्ट गंभीर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में करंट से हाथियों और वन्यजीवों की लगातार मौत पर हाईकोर्ट ने बिजली तार ऊंचे करने के साथ ही गांवों में खोदे गए बड़े गड्ढो और कुओं के चारों ओर सुरक्षा घेरा बनाने के निर्देश दिए। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने वन्य जीवों की लगातार मौत को गंभीरता से लिया है। याचिका में हस्तक्षेपकर्ता रायपुर निवासी नितिन सिंघवी की तरफ से कोर्ट में विभिन्न समाचार पत्रों की क्लिपिंग रखकर बताया गया कि 12 मार्च को दो हाथी शावकों की करंट लगने से रायगढ़ जिले के घरघोड़ा वन परिक्षेत्र में मौत हो गई। 14 मार्च को सूरजपुर जिले के प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में खेत में करंट का तार लगाने से एक हाथी की मौत हुई। मार्च में ही सारंगढ़ बिलाईगढ़ में जंगली सुअर के शिकार के लिए लगाए गए अवैध बिजली करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। 26 मार्च को मैनपाट क्षेत्र में जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिछाए गए तरंगित तार की चपेट में आने से एक युवक और एक लोमड़ी की मौत हो गई। कोरबा के सकोदा जंगल में 11 केवी करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से दो शावक सहित मादा भालू की मौत हो गई। इसके अलावा भी लगातार ऐसी घटनाएं हुई हैं।

निगम कर्मचारी की विधवा को 10 दिन में मिलेगी ग्रेच्युटी

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने बिलासपुर नगर निगम के कर्मचारी की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी को देय ग्रेच्युटी की राशि का भुगतान नहीं किए जाने के मामले में निगम को 10 दिन के भीतर भुगतान करने का निर्देश दिया है। जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की एकलपीठ ने सोमवार को याचिका का निराकरण करते हुए यह आदेश पारित किया। मामला सकरी तहसील के ग्राम सैदा निवासी सीताबाई भास्कर का है। उन्होंने अपने पति स्वर्गीय गोकुल भास्कर की मृत्यु के बाद मिलने वाली ग्रेच्युटी की राशि के भुगतान के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता संदीप के. शर्मा ने कोर्ट को बताया कि नगर निगम आयुक्त ने 23 जून 2026 को जारी आदेश में यह स्वीकार किया है कि याचिकाकर्ता ग्रेच्युटी की राशि पाने की हकदार हैं। इसके बावजूद अब तक उन्हें ग्रेच्युटी का भुगतान नहीं किया गया है। सुनवाई के दौरान नगर निगम की ओर से उपस्थित अधिवक्ता रविकुमार भगत ने निर्देश के आधार पर कोर्ट को आश्वस्त किया कि याचिकाकर्ता को देय ग्रेच्युटी की राशि 10 दिनों के भीतर जारी कर दी जाएगी। निगम की ओर से दिए गए इस आश्वासन को देखते हुए हाई कोर्ट ने याचिका का निराकरण कर दिया। कोर्ट ने नगर निगम आयुक्त, बिलासपुर को निर्देश दिया कि आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से 10 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता को देय पूरी ग्रेच्युटी राशि का भुगतान किया जाए।

भू-विस्थापितों को बड़ी राहत, अधिग्रहण के समय लागू नीति से ही मिलेगा एसईसीएल में रोजगार

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने भू-विस्थापितों के रोजगार अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की एकलपीठ ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण के समय जो पुनर्वास नीति प्रभावी थी, रोजगार का अधिकार उसी के आधार पर तय होगा। बाद में लागू की गई नीति के आधार पर पहले से अर्जित अधिकार को समाप्त नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने एसईसीएल द्वारा 13 मई 2022 को जारी उस आदेश को रद कर दिया, जिसमें कोरबा जिले के नरईबोध निवासी लखनलाल राठौर का रोजगार संबंधी दावा खारिज किया गया था। हाईकोर्ट ने एसईसीएल को निर्देश दिया है कि आदेश की प्रति प्राप्त होने के 45 दिनों के भीतर याचिकाकर्ता के रोजगार के दावे पर अधिग्रहण के समय प्रभावी छत्तीसगढ़ राज्य की पुनर्वास नीति के तहत विचार कर उचित निर्णय लिया जाए।

कोर्ट ने एसईसीएल द्वारा 13 मई 2022 को जारी आदेश को रद्द कर दिया

मामला एसईसीएल की गेवरा परियोजना के विस्तार के लिए कटघोरा तहसील के ग्राम नरईबोध की जमीन के अधिग्रहण से जुड़ा है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2009 में कोल बेयरिंग एरिया एक्ट के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की थी। वर्ष 2009-10 में अधिनियम की धारा 4, 7 और 9 के तहत अधिसूचनाएं जारी की गई थीं। याचिकाकर्ता लखनलाल राठौर की भी करीब 0.10 एकड़ जमीन इस अधिग्रहण में शामिल थी।

उस समय छत्तीसगढ़ राज्य की पुनर्वास नीति प्रभावी थी, जिसमें प्रभावित परिवार के पात्र सदस्य को रोजगार देने का प्रविधान था। अधिग्रहण के बाद याचिकाकर्ता ने पुनर्वास नीति के तहत रोजगार की मांग की। हालांकि, एसईसीएल ने बाद में लागू हुई कोल इंडिया लिमिटेड की पुनर्वास नीति-2012 का हवाला देते हुए दावा खारिज कर दिया। 2012 की नीति के अनुसार दो एकड़ से कम जमीन वाले भू-विस्थापितों को रोजगार के लिए पात्र नहीं माना गया था। इसी आधार पर एसईसीएल ने 13 मई 2022 को याचिकाकर्ता का आवेदन निरस्त कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शाश्वत गुप्ता ने हाईकोर्ट के प्यारेलाल बनाम एसईसीएल मामले में वर्ष 2017 में दिए गए फैसले का हवाला दिया। तर्क दिया गया कि जब जमीन का अधिग्रहण 2009-10 में हुआ था, तब राज्य की पुनर्वास नीति प्रभावी थी।

इसलिए 2012 में बनी नई नीति को पिछली तारीख से लागू कर रोजगार का अधिकार समाप्त नहीं किया जा सकता। जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने कहा कि अधिग्रहण की तारीख पर लागू नीति ही रोजगार के दावे के निर्धारण का आधार होगी। अदालत ने माना कि बाद में बनाई गई नीति के आधार पर पहले से अर्जित अधिकार को समाप्त करना उचित नहीं होगा। हाईकोर्ट ने एसईसीएल के 13 मई 2022 के निरस्तीकरण आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही एसईसीएल प्रबंधन को निर्देश दिया कि यह प्रक्रिया आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से 45 दिनों के भीतर पूरी करकरें।

दूसरे जिलों में तबादलों पर कांस्टेबल की वरिष्ठता सबसे नीचे मानी जाएगी : हाईकोर्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने बड़े फैसले में कहा है कि यदि कांस्टेबल का तबादला एक जिले से दूसरे जिले में किया जाता है तो उसकी वरिष्ठता सबसे नीचे मानी जाएगी। जिलों में पदस्थ कांस्टेबल को पहले प्रमोशन में प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने कोरबा सहित प्रदेश भर के जिलों से दायर 72 कांस्टेबलों की याचिका स्वीकार कर ली है। इस मामले में कोरबा जिले के आरक्षकों ने याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं ने पदोन्नति प्रक्रिया में कई खामियों का आरोप लगाया था। उनका कहना है कि अनुरोध पर ट्रांसफर होकर आए आरक्षकों को वरीयता दी जा रही है, जबकि जिले में सीधी भर्ती से नियुक्त जवानों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने भी प्रारंभिक तौर पर प्रक्रिया में कमियां होने की बात मानी थी। इसके बाद कोर्ट ने पदोन्नति प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

कोरबा जिले के 72 कांस्टेबल की याचिका पर फैसला

कोरबा के 72 पुलिस कॉन्स्टेबल ने प्रमोशन को लेकर लगाई याचिका में कहा है कि पुलिस मुख्यालय ने प्रमोशन प्रक्रिया शुरू की है, लेकिन इसमें उन कॉन्स्टेबल को भी शुरुआती नियुक्ति की तारीख के आधार पर सीनियर मानकर प्रमोशन देने की तैयारी हो रही है, जिन्होंने स्वेच्छा से दूसरे जिले में ट्रांसफर कराया था। याचिकाकर्ता कॉन्स्टेबल ने दलील दी है कि छत्तीसगढ़ पुलिस एग्जीक्यूटिव फोर्स कॉन्स्टेबल भर्ती, पदोन्नति, सेवा शर्त नियम 2007 में किए गए संशोधन के मुताबिक अगर कोई कर्मचारी अपनी इच्छा से दूसरे जिले में ट्रांसफर लेता है, तो नए जिले की सीनियरिटी लिस्ट में उसका नाम सबसे नीचे माना जाता है। आरोप है कि मौजूदा प्रमोशन प्रोसेस में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से एडवोकेट धीरज वानखेड़े ने कहा पुलिस एग्जीक्यूटिव फोर्स कॉन्स्टेबल भर्ती, पदोन्नति एवं सेवा शर्त नियम 2007 के संशोधित प्रावधानों के अनुसार यदि कोई आरक्षक स्वेच्छा से दूसरे जिले में ट्रांसफर लेता है, तो उसे नए जिले की वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे रखा जाना चाहिए। बावजूद इसके विभाग द्वारा अनुरोध पर ट्रांसफर होकर आए कर्मचारियों को प्रारंभिक नियुक्ति तिथि के आधार पर वरिष्ठ मानते हुए प्रमोशन देने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिससे सीधे भर्ती होकर वर्षों से सेवा दे रहे आरक्षकों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। हाईकोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया है

संस्कृति

डा. ज्योति चंद्राकर

पशुधन संरक्षण का त्योहार हरेली

छत्तीसगढ़ में हरेली का त्यौहार कृषि से संबंधित त्यौहार माना जाता है ।यह सावन माह के अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्यौहार पशुधन संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन ग्रामीण अँचल में कृषि औजारों की पूजा,बिजकुटनी माँगना, पौनी - पसारी को भैंट देना,गैंड़ी चढना परंपरागत रूप से किया जाता है। हरेली त्यौहार पशुधन संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस त्यौहार के दिन पशुधन, गाय ,बछड़े, चौपायों को बरसाती बिमारी से बचाने का उपाय किया जाता है । हरेली के पहले दिन राऊत जंगल से दशमूल जड़ी, जंगली गोदँली औंर खम्हार पत्ता को हण्डी में डालकर उबालते हैं। और अगले दिन सुबह हरेली के दिन गृहस्वामी के घर गेहूं आटा को गुँथकर उसमें दशमूल जड़ी, गोंदली व नमक मिलाकर गोलाकार लोई बनाकर खम्हार पत्ते में लपेटकर पशुओं को खिलाते है। ऐसा माना जाता है कि इससे चौपायों को खुरहा- चपका की बीमारी से बचाया जाता है ।दशमूल जड़ व गौंदली को भगवान में चढ़कर घर के सभी लोग प्रसाद स्वरूप ग्रहण करते हैं यह रक्त शोधक लोकऔषधि के रूप में ग्रामीण क्षेत्रो में प्रचलित है, जिसे हरेली के दिन खाया जाता है। और ऐसा माना जाता है कि इससे बरसाती बिमारियों से बचा जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्रों में इस दिन कृषि औजारों की पूजा की जाती है। इस दिन बच्चे व युवा गेडी चढ़ने का आनंद भी उठाते हैं। ग्रामीण अंचल में राऊत अपने गृहस्वामी के घर चौखट पर नीम की टहनी भी बाँधते हैं, जिसके पीछे वैज्ञानिक कारण है कि बरसाती कीड़े मकोड़े घर में प्रवेश न करें।

लोक साहित्य

डा. सत्यभामा आडिल

छत्तीसगढ़ी काव्य का दूसरा पड़ाव स्वाधीनता आंदोलन के मध्य

छत्तीसगढ़ी काव्य का दूसरा पड़ाव स्वाधीनता आंदोलन की हलचलों के मध्य होता है। किन्तु तत्कालीन जनभावना का जैसा यथार्थ आकलन कुंजबिहारी चौबे की अत्यल्प रचनाओं और गिरिवर दास वैष्णव के ' छत्तीसगढ़ी सुराज ' की रचनाओं में हुआ है। उनकी रचनाओं में अंग्रेजों के प्रति ग्राम्य आक्रोश की अभिव्यक्ति हुई है, वहां चल मोर भइया बियासी के नागर में समूचा ग्राम जीवन स्पष्ट हो गया है -

पहिरे बर दू बीता के पागी जी,
पिए ल चोंगी धरे ल आगी जी,
खाए ल बासी पिए ल पेज पसिया,
करे बर दिन रात खेत म तपसिया,
साधू जोगी ले बड़ के दरजा हे हमर,
चल मोर भइया बियासी के नागर।

इसी प्रकार ' तैहर ठग डाले हमला रे गोरा ' में अंग्रेजों की शोषण नीति को उजागर किया गया है और ' गांधी गोरा ' में महात्मा गांधी के अवतरण की दिव्यता और रचनात्मक कार्यक्रमों का चित्रण के साथ उनके अहिंसात्मक सत्याग्रह का गुणगान किया है।

लोक नाट्य

डा. संतराम देशमुख

अंग्रेजों की क्रूरता से व्यथित होता पात्र दुखित

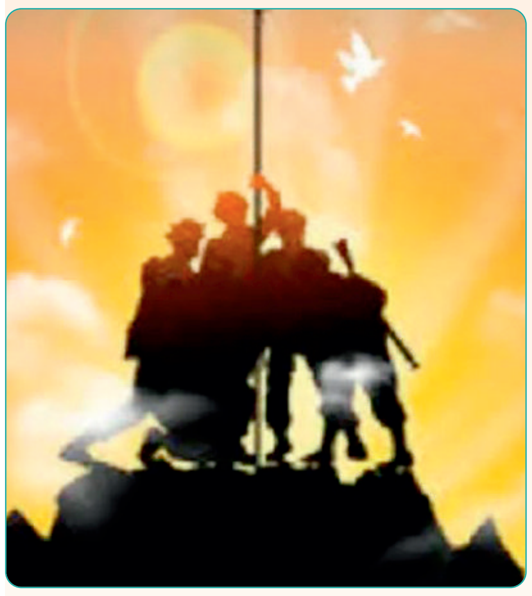

लोक नाट्य चंदैनी गोंदा में दुखित एक महत्वपूर्ण पात्र होता है। भारत पाकिस्तान का युद्ध लोक नाट्य का केंद्र बिंदु होता है। संवाद शुरू होता है -दुश्मन ने हमारी सेना पर आक्रमण कर दिया है। हम शांति प्रेमी हैं। शांति से रहना चाहते हैं मगर हमें कोई छेड़ेगा तो हम उसे छोड़ेंगे नहीं। जब सारा देश दुश्मन से सामना करने के लिए तैयार है तो दुखित अपने आपको कैसे दूर रख सकता है। दुखित का मोर्चा है खेत। दुखित इस गीत के माध्यम से अपना निश्चय व्यक्त करता है -

हम करतब कारन मर जाबो रे,
हम धरती कारन जूझ जाबो रे,
फेर ले लेबो संग्राम रे,
बढ़व जहुरिया बंदूक वाले भारत भुइया लाल रे,
टूट परव इकर छाती म बनके भैरव काल रे।

दुखित की इच्छा जब पूरी होती है जब उसका बेटा विश्व युद्ध में भर्ती होने की सूचना मिलती है। अपने बेटे के जाने के बाद दुखित बच्चों के साथ खेलता है और उनमें राष्ट्र और देश प्रेम की चेतना जागृत करने का प्रयास करता है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें– **Choupalharibhoomi@gmail.com**

अनेक उतार चढ़ाव को अंगीकृत किए : राजा पृथी

ऐतिहासिक

डा. लक्ष्मीधर झा

अंग्रेजी शासन काल में राजा पृथी साय अंग्रेजों के मार्गदर्शन में राज्य का सफल संचालन करने लगे। फुलझर एक वन राज्य था, इस कारण अंग्रेज इस राज्य से अधिक से अधिक लाभ लेना चाहते थे। इसलिए व्यवस्था अपने अनुरूप करने में जुट गए। कृषि के क्षेत्र में कोई प्रगति नहीं हुई थी, लोग प्राचीन परम्परा के अनुसार कोदो, कुटकी और मक्का की खेती करते थे। इस राजा के कार्यकाल में अंग्रेजों के विरोध में संघर्ष की कोई घटना नहीं हुई। बाजार में कौड़ियों का चलन था।

राजा पृथी साय ओडिशा के अन्य राजाओं की तरह अंग्रेजों के अधीनस्थ थे। मराठों की पराजय के बाद अंग्रेजों का पूर्ण राजत्व हो गया था। अंग्रेजों का मुख्य उद्देश्य यहां के लोगों को अशिक्षित रखना था, जिससे यहां के लोगों में राष्ट्रीय चेतना का उदय न हो सके। अंग्रेजों को प्रारंभिक अवस्था में विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, उन्हें संदेह था कि देशी रियासत कभी भी अंग्रेजों के विरुद्ध हो सकती है। देशी रियासतों को मराठा शासन ने भी पूरी तरह शोषण किया था। अंग्रेजी शासन का कहीं भी विरोध नहीं हो रहा था सन 1833 में बरगढ़ के राजा अजीत सिंह ने बगावत का बीड़ा उठाया था, किन्तु वे असफल हो गए। सारे देशी रियासतों का भविष्य अंग्रेजों की कृपा पर टिका हुआ था। सभी राजा, जमींदार अंग्रेजों के पिट्ठु बन चुके थे। अंग्रेजी शासन काल में राजा प्रीथी साय अंग्रेजों के मार्गदर्शन में राज्य का सफल संचालन करने लगे। फुलझर एक वन राज्य था, इस कारण अंग्रेज इस राज्य से अधिक से अधिक लाभ लेना चाहते थे। इसलिए व्यवस्था अपने अनुरूप करने में जुट गए। कृषि के क्षेत्र में कोई प्रगति नहीं हुई थी, लोग प्राचीन परम्परा के अनुसार कोदो, कुटकी और मक्का की खेती करते थे। इस राजा के कार्यकाल में अंग्रेजों के विरोध में संघर्ष की कोई घटना नहीं हुई। बाजार में कौड़ियों का चलन था। प्रजा राजा को देव तुल्य मानते थे। इनके राजत्व काल में अंग्रेजी सिक्कों का चलन हुआ।

परंपरा : डा. प्रकाश पतंगीवार

अंग्रेज वसूली के लिए नियुक्त करते थे मुकद्दम

सन 1745 में हैहयवंशियों का राज समाप्त हो गया था। तब मराठों ने छत्तीसगढ़ पर कब्ज़ा जमाया। मराठा शासन सौ वर्षो तक चला। सन 1854 में कृष्णराव अप्पाजी को हटाने के साथ अंग्रेज छत्तीसगढ़ की धरती पर काबिज हो गए। एलेकजेंडर किनीमाऊथ इलियट सन 1778 में पहले आया। आते आते ही सारंगगढ़ के पास सालर गांव में उसकी मृत्यु हो गई। उसकी समाधि गांव में अभी भी स्थित है। छत्तीसगढ़ में अंग्रेजों के शासन काल में प्रशासन व्यवस्था में कोई खास परिवर्तन नहीं देखा गया। मालगुजार ही लगान वसूल करते थे। जमींदार जिसकी होती थी, वही मालगुजार होता था। मराठों के समय छत्तीसगढ़ का राजस्व पांच लाख रूपए था। अंग्रेजों ने नया पद ग्राम पटेल बनाया, उन्हें लगान वसूलने की जिम्मेदारी दी गई। ब्रिटिश सरकार ने भू राजस्व संहिता धारा 244 के तहत उन्हें संलग्न किया, जिन्हें मुकद्दम कहा गया। यही गौटिया या सियान कहलाए।

गांव की कहानी

डा. हेमवती ठाकुर

आजादी की आग नवागांव में भी लगी

छत्तीसगढ़ के धमतरी से 6 कि मी दूर नवागांव में 9 अगस्त 1930 को जंगल सत्याग्रह आरंभ हुआ। सत्याग्रह का नेतृत्व करने के लिए तैयार सभी प्रमुख नेताओं को प्रारम्भ में ही गिरफ्तार कर लिया गया। इससे ग्रामवासियों का हौसला कम नहीं हुआ। वे प्रतिदिन प्रतिबन्ध के बावजूद घास काटने तथा वनोपज पर अधिकार के नारे लगाने लगे। रोज जुलूस निकलने लगा, भीड़ बढ़ती गई। एक दिन जब बहुत ज्यादा आंदोलनकारी एकत्रित थे, तब लाठी से पिटाई कर गोली चलाई गई। मिंधू और रतनू को गोली लगी। उन्हें घायल अवस्था में रायपुर जेल में बंद कर दिया गया। इसके बाद 25 सितंबर 1930 को मिंधू की मृत्यु हो गई। रतनू को तीन माह रायपुर में रखने के बाद नरसिंहपुर जेल भेज दिया गया। इसके बाद नवागांव जंगल सत्याग्रह की गूंज पूरे देश में फैल गई।

सुरता : वीरेंद्र बहादुर सिंह

समर्पित होकर देश सेवा में अपना योगदान देने वालों में पूनमचंद सांखला

श्री सांखला ने 1940 के कांग्रेस के पूना अधिवेशन और 1941 के त्रिपुरी अधिवेशन में भाग लिया था। जिनकी अध्यक्षता क्रमशः प. जवाहर लाल नेहरू और सुभाषचंद्र बोस ने की थी। सन 1942 में श्री सांखला ने छुईखदान खैरागढ़ किसान सभा का गठन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और किसान सभा के मंत्री बनाए गए थे। गांधीजी के करो या मरो के आव्हान पर 01 सितंबर 1942 को वे छुईखदान में मुंबई अधिवेशन के प्रस्ताव की प्रतियां वितरित करते हुए गिरफ्तार हुए। उन्हें तीन साल सख्त कैद की सजा सुनाई गई।

सर्वोदयी नेता पूनमचंद सांखला का जन्म 15 अप्रैल सन 1906 को उनके ननिहाल ग्राम खैरबना (छुईखदान) में हुआ था। उनके पिता का नाम छगनलाल सांखला था। वे ग्राम संडी के मूल निवासी थे। छुईखदान में रियासती आंदोलन शुरू होने के पूर्व उन्हें दो तीन बार वर्धा जाने का अवसर प्राप्त हुआ और वे गांधीजी के संपर्क में आए थे। सन 1930-31 के रियासती आंदोलन में अपने पिता के विरोध के बाद भी शामिल हुए थे। सन 1939 में स्टेट कांग्रेस द्वारा नर्मदा कैम्प से संचालित सत्याग्रह आंदोलन में वे शामिल हुए थे। आंदोलन के दौरान मेलाराम ठेकेदार के नेतृत्व में निकले जुलूस में वे अग्रिम पंक्ति में थे। रियासत सीमा का उल्लंघन करने पर उन्हें गिरफ्तार किया गया और एक माह की सजा सुनाई गई। श्री सांखला ने 1940 के कांग्रेस के

पूना अधिवेशन और 1941 के त्रिपुरी अधिवेशन में भाग लिया था। जिनकी अध्यक्षता क्रमशः प. जवाहर लाल नेहरू और सुभाषचंद्र बोस ने की थी। सन 1942 में श्री सांखला ने छुईखदान खैरागढ़ किसान सभा का गठन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और किसान सभा के मंत्री बनाए गए थे। गांधीजी के करो या मरो के आव्हान पर 01 सितंबर 1942 को वे छुईखदान में मुंबई अधिवेशन के प्रस्ताव की प्रतियां वितरित करते हुए गिरफ्तार हुए। उन्हें तीन साल सख्त कैद की सजा सुनाई गई। 10 मई 1944 को जेल से रिहा हुए। जेल से छूटने पर उन्हें स्टेट कांग्रेस परिषद का मंत्री बनाया गया। किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने और साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने के लिए उन्होंने 1946 में किसान सभा के माध्यम से न केवल व्यापारियों द्वारा किसानों के साथ किए गए छल को बाकायदा जांच की बल्कि जांच रिपोर्ट से जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत भी कराया। आजादी के बाद श्री सांखला संत विनोबा भावे के भूदान आंदोलन से जुड़ गए। वे ग्राम पंचायत संडी के सरपंच भी निर्वाचित भी हुए थे। 25 मई 1981 को उनका निधन हुआ।

छत्तीसगढ़ शासन

हमर छत्तीसगढ़ के
पहिली लोक परब

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

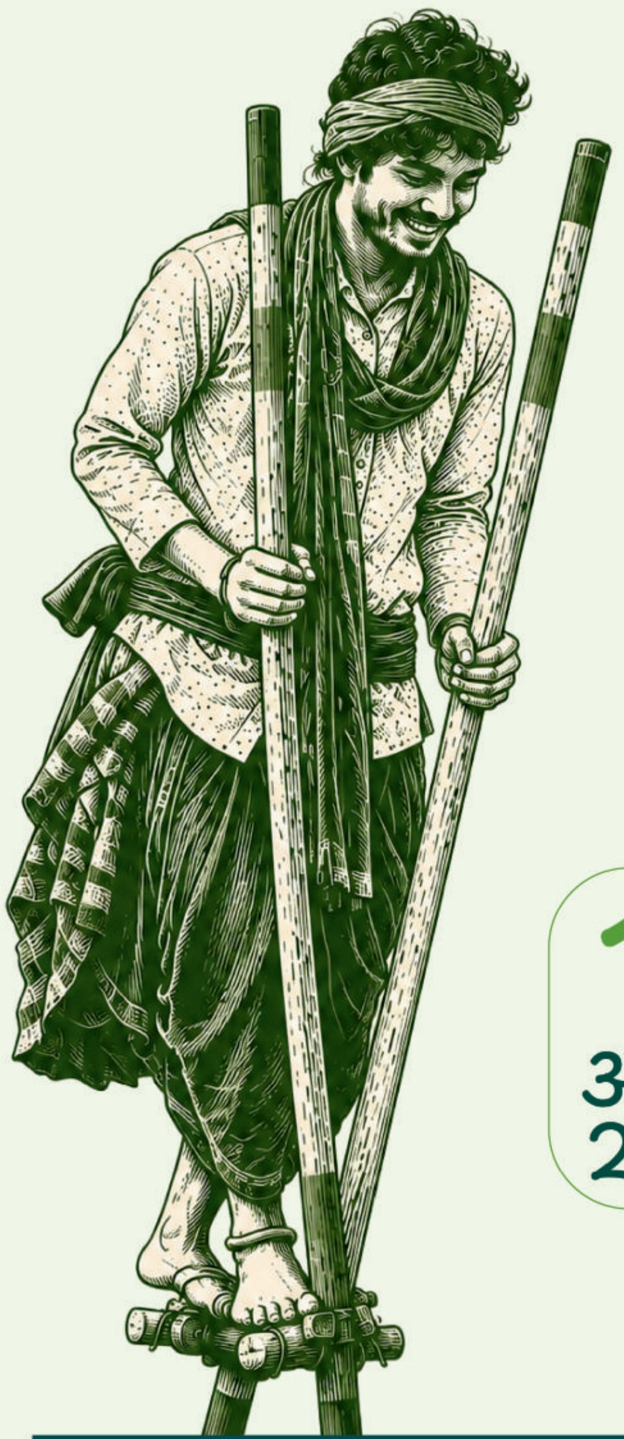

हरेली तिहार

12 अगस्त 2026

के गाड़ा-गाड़ा बधाई

कृषकों का आर्थिक सशक्तीकरण

ढाई वर्षों में विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत किसानों के खाते में **₹1.50 लाख करोड़** से अधिक अंतरित

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि : **25 लाख** से अधिक किसानों को **₹11,277 करोड़** का भुगतान

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना

भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष **₹10,000** की आर्थिक सहायता

कृषि का आधुनिकीकरण

जीएसटी 2.0 लागू होने से **कृषि उपकरण हुए सस्ते**

कृषक उन्नति योजना

₹3,100 प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ **21 क्विंटल** धान खरीदी

फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन

धान के अतिरिक्त अन्य खरीफ फसलों की खेती पर प्रति एकड़ **₹15,000** की आदान सहायता

आसान ऋण सुविधा

खाद- बीज की खरीदी के लिए **ब्याज मुक्त ऋण**

हरियर धरती, खुशहाल किसान
समृद्धि और जनकल्याण, सुशासन की पहचान

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

अब 'वंदे मातरम' का अपमान होगा अपराध राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून हुआ लागू

'वंदे मातरम' गायन के अपमान पर कैद और जुर्माना दोनों की सजा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को एक विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसके तहत जानबूझकर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के गायन में बाधा डालना या उसे रोकना अपराध माना जाएगा। सरकार के एक बयान में कहा गया है कि इसे वही कानूनी सुरक्षा मिलेगी जो अभी राष्ट्रीय गान को हासिल है। राष्ट्रपति की सहमति से राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026, कानून बन गया है। लोकसभा ने 30 जुलाई को विधेयक पारित किया था, जबकि राज्यसभा ने इसे एक दिन पहले ही मंजूरी दे दी थी। इस विधेयक के अंतर्गत वंदे मातरम को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान दर्जा दिया गया है।

पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदेमातरम गायन : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस समारोह में पहली बार लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम गाया जाएगा। इससे पहले, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम के तहत जानबूझकर राष्ट्रगान (जन गण मन) गाने से रोकना या ऐसे गायन में लगे किसी भी सभा में अशांति पैदा करना प्रतिबंधित था।

जन गण मन जैसा मिलेगा कानूनी संरक्षण : विधेयक में आगे कहा गया है कि संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 24 जनवरी, 1950 को कहा था कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम', जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी, को राष्ट्रगान 'जन गण मन' के समान सम्मान दिया जाएगा और उसे उसके बराबर दर्जा प्राप्त होगा।

कानून में क्या हैं मुख्य प्रावधान?

- **सजा और जुर्माना:** नए कानून के तहत यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम के गायन को रोकता है या इसे गा रही किसी सभा में व्यवधान डालता है, तो उसे अधिकतम तीन साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है
- **दोबारा अपराध पर कठोर कार्रवाई:** यदि कोई व्यक्ति दोबारा या बार-बार यह अपराध करता है, तो उसे कम से कम एक साल की अनिवार्य जेल की सजा भुगतनी होगी
- **समान दर्जा:** अब तक राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम के तहत केवल राष्ट्रगान 'जन गण मन' के अपमान पर ही सजा का प्रावधान था। पुराने कानून में राष्ट्रगीत के लिए ऐसा कोई विशिष्ट सुरक्षात्मक दायरा नहीं था, जिसे अब धारा तीन में संशोधन करके जोड़ दिया गया है
- **वंदे मातरम को लेकर दिशा-निर्देश और प्रोटोकॉल**
- **पहले गाया जाएगा राष्ट्रगीत:** राष्ट्रपति के आगमन, राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राज्यपालों के भाषण जैसे आधिकारिक कार्यक्रमों में गाए जाएंगे।

हूती विद्रोहियों के जहाज पर हमले में चार की मौत

काहिरा। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य में एक जहाज पर मिसाइलें दागीं, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि मृतकों में तीन पाकिस्तानी नागरिक और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हूती विद्रोहियों ने यमन के एक वाणिज्यिक जहाज पर तीन बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। मंत्रालय ने बताया कि विद्रोहियों ने एक और मिसाइल दागी, जिसका निशाना जहाज तक पहुंचने की कोशिश कर रही बचाव टीम थी। इस हमले में यमन का एक बचावकर्मी घायल हो गया।

'जेन जेड' पर टिप्पणी कंगना के खिलाफ याचिका स्वीकार

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को भाजपा की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ दायर याचिका स्वीकार कर ली। अधिवक्ता ने बताया कि सांसद/विधायक अदालत में यह याचिका प्रश्न पत्र लीक के मुद्दे को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों और उनके माता-पिता तथा 'जेन जेड' के बारे में रनौत की कथित टिप्पणियों को लेकर दायर की गई थी। याचिकाकर्ता और अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने बताया कि अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख तय की है।

कई देशों में छा जाएगा अंधेरा भारत में नहीं दिखाई देगा

नई दिल्ली। खगोल विज्ञान की दृष्टि से आज 12 अगस्त वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण दिन बनने जा रहा है। एक ही दिन पूर्ण सूर्यग्रहण, छह ग्रहों की दुर्लभ ग्रह-पंक्ति और पर्सिड उल्का वर्षा जैसी कई असाधारण खगोलीय घटनाएं देखने को मिलेंगी। हालांकि भारत में सूर्यग्रहण दिखाई नहीं देगा, फिर भी यह दिन वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिकों और खगोल प्रेमियों के लिए विशेष महत्व रखेगा।चूंकि भारत में उस समय रात रहेगी इसलिए यह ग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। इसी कारण भारत में इस ग्रहण से संबंधित धार्मिक या वैज्ञानिक प्रत्यक्ष अवलोकन संभव नहीं होगा, जबकि जिन देशों में ग्रहण दिखाई देगा वहां वैज्ञानिक अभियान और सार्वजनिक अवलोकन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारत में उस समय रहेगी रात

भारतीय समय के अनुसार यह सूर्यग्रहण 12 अगस्त की रात लगभग 9 बजकर 5 मिनट पर प्रारंभ होगा। पूर्ण ग्रहण की अवस्था लगभग 10 बजकर 29 मिनट से शुरू होकर मध्यरात्रि से पहले अपने चरम पर पहुंचेगी तथा पूर्ण ग्रहण की समाप्ति लगभग 12 बजकर 5 मिनट पर होगी। अंतिम चरण 13 अगस्त की रात लगभग 1 बजकर 29 मिनट तक चलेगा। चूंकि इस पूरी अवधि में भारत में रात्रि रहेगी और सूर्य क्षितिज के नीचे होगा, इसलिए यह सूर्यग्रहण देश के किसी भी भाग से दिखाई नहीं देगा।

एक कतार में दिखेंगे 6 ग्रह एक साथ

सूर्योदय से पहले आकाश में बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून एक लगभग सीधी पंक्ति में दिखाई देंगे। इसके बाद दिन के समय वर्ष का सबसे महत्वपूर्ण पूर्ण सूर्यग्रहण घटित होगा और रात में पर्सिड उल्का वर्षा अपने चरम पर पहुंचेगी।

राहुल के खिलाफ मामले में सुनवाई 19 सितंबर को

हाथरस। उत्तर प्रदेश के हाथरस में वर्ष 2020 में हुए दुष्कर्म के एक मामले पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि के मुकदमे में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जारी अदालत का नोटिस तामील हो गया। यह नोटिस सांसद, विधायक अदालत संख्या-5 के अपर जिला न्यायाधीश विजय कुमार द्विवेदी ने 15 जुलाई को पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के बाद जारी किया था। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 19 सितंबर की तारीख तय की है।

कार्यालय, खण्ड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंन्द्र

विकास खण्ड-अकलतरा, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)
(Email id - bmoakaltara@rediffmail.com, Phone No.-----, Fax No.:-

क्रमांक ./एनएचएम/1933 दिनांक 10 .08 .2026

प्रथम निविदा सूचना 2026-27

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अकलतरा के लिये, अंतः रोगी, जे.एस.एस.के. के भर्ती मरीजों को पका भोजन प्रदाय करने हेतु अधिकृत फर्म, संस्था, स्व सहायता समूह, व्यक्ति से मोहर बंद लिफाफा निम्नानुसार आमंत्रित किया जाता है। नियमों व शर्तो का अवलोकन एनएचएम कार्यालय से किया जा सकता है।

* टेण्डर फार्म की कीमत :- रु. 500 .00 वापसी अयोग्य।
* अमानत राशि :- रू. 15000 .00 हजार।
* निविदा बिक्री प्रारंभिक तिथि :- 18 .08 .2026 (कार्यालयीन समय)
* निविदा बिक्री अंतिम तिथि :-08 .09 .2026 (दोपहर 01 :00 बजे तक)
*निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :- 08 .09 .2026 (दोपहर 02 :00 बजे तक)

निविदा खोलने की तिथि :-08 .09 .2026 (दोपहर 03 :00 बजे तक एनएचएम कार्यालय में)

खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अकलतरा
जिला-जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.)

संवाद-48726

Directorate Of Veterinary Services, Chhattisgarh

Indrawati Bhawan, Block-3, Nava Raipur
Phone no.0771-2331393,94,95Faxn0.0771-2331392/95
email-dirvet.cg@nic.in

e Tender Invitation Notice

Online Tenders are invited from licensed manufacturers /importers for supply of Pharmacopoeial Drugs for financial year 2026-27 of Department of Veterinary services, Chhattisgarh. The detailed schedules are as follows.

S.NO.	Tender Details	Name of Work
1	Tender No.4474 Date 10.8.2026	RATE CONTRACT AND SUPPLY OF PHARMACOPOEIAL DRUGS
2	Starting Date of online Tender Submission 12.08.2026 at 5:30 PM	
3	PreBid Meeting Date 17.08.2026 Time 1.00 PM (Venue -DVSCG Indrawati Bhawan, Block-3, Nawa Raipur)	
4	Last Date of Tender Submission 02.09.2026, Upto-5:30 PM	

The detailed tender documents and the list of items are made available under Department-Livestock Development Department (LDD) on website https://www.eproc.cgstate.gov.inand https://agriportal.cg.nic.in/ahd

Director
Veterinary Services
Chhattisgarh

G-262702709/2

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No: /2026 Korba Dated 03.08.2026

Sr No.	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	196747 (1st Call)	Construction of Cement Concrete Road from Grihani Anaj to Poshan Shope at Ward No. 04 Ratakhar (Amended ward No.1)	33.89

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc.cgstate.gov.in from 03.08.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Executive Engineer
Municipal Corporation Korba (C.G.)

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी कटघोरा वनमण्डल, कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

फोन/फैक्स नं. 07815-250157

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कटघोरा वनमण्डल के अंतर्गत कसनिया काष्ठागार में नीलाम दिनांक 18 .08 .2026 को रखी गई निम्नानुसार ईमारती काष्ठ/जलाऊ चटटा/व्यापारिक बांस/आद्योगिक बांस का ई- ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जावेंगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय/काष्ठागार कसनिया से प्राप्त की जा सकती है।

विवरण

अ.क्र.	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष		नया वनोपज		योग	
		लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी	लट्ठा	बल्ली / डेंगरी
		घ.मी.	नग	घ.मी.	नग	घ.मी.	नग
1	सागौन	342.915	7300	152.918	3561	495.833	10861
2	साल	5545.983	7150	827.416	1416	6373.399	8566
3	बीजा	425.675	432	125.740	348	551.415	780
4	तिंसा	35.717	288	11.993	201	47.710	489
5	शीशम	0.000	0			0.000	0
6	खम्हार	0.208	32			0.208	32
7	हल्दू	17.901	17			17.901	17
8	साजा	219.018	1132	70.089	323	289.107	1455
9	धावड़ा	214.114	1148	63.374	389	277.488	1537
10	सलिहा	26.641	0	2.482		29.123	0
11	नीलगिरी	1.591	130	3.531		5.122	130
12	शीशु	0.000	0			0.000	0
13	अन्य	612.104	2496	24.778	435	636.882	2931
14	तेन्दू	13.918	17	8.234		22.152	17
योग (काष्ठ)		7455.785	20142	1290.555	6673	8746.340	26815
15	सागौन जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
16	सतकठा जलाऊ	2245	चट्टा	0	चट्टा	2245	चट्टा
17	कर्रा जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
18	नीलगिरी	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
19	सलिहा जलाऊ	88	चट्टा	0	चट्टा	88	चट्टा
योग (जलाऊ)		2333	चट्टा	0	चट्टा	2333	चट्टा
20	व्यापारिक बांस (नग)	0	नग	0	नग	0	नग
		0.000	नो.टन	0.000	नो.टन	0.000	नो.टन
21	औद्योगिक बांस (बण्डल)	426	बण्डल	0.00	बण्डल	426	बण्डल
		3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन
योग (बांस)		3.899	नो.टन	0.000	नो.टन	3.899	नो.टन

जी-262702716/3

वनमण्डलाधिकारी
कटघोरा वनमण्डल कटघोरा

कार्यालय अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि 10.08.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग-स.क्रं. 01 से 4 पत्थलगांव एवं स.क्रं. 5,6 जशपुर संभाग
03. स.क्र. 01 से 6 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि-स.क्र. 1 21.08.2026 स.क्र. 2 से 4 01.09.2026 एवं स.क्र. 5, 6 27.08.2026

सरल क्र.	एन.आई.टी.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	132	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं. 1 पत्थलगांव के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गो में डब्ल्यू. एम.एम., इमलशन, बी.टी. पेच रिपेयर का कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	25.00
2	133	जिला जशपुर फरसाबहार में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह कृषि आदान सामग्री गोदाम हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	54.02
3	134	जिला जशपुर पत्थलगांव में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सह कृषि आदान सामग्री गोदाम हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	54.02
4	135	जिला जशपुर पत्थलगांव में कृषि अनुविभागीय अधिकारी हेतु नवीन भवन का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	49.38
5	136	लोक निर्माण विभाग संभाग जशपुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में इमल्शन बी.टी. पैच रिपेयर का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	20.00
6	137	लोक निर्माण विभाग संभाग जशपुर अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू.एम.एम. एवं इमल्शन पैच रिपेयर का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	50.00

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

जी-262702725/5

OFFICE OF MUNICIPAL CORPORATION KORBA

e-Procurement Tender Notice Main
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT No: 933, 937, 938, 939, 940/2026 Korba Dated 30.07.2026

Sr No.	System Tender No.	Name of Work/ Description of Work	Probable Amount of Contract (In Lacs)
1	196457 (1st Call)	Construction of CC Road from anand nagar main road to mahendra house and CC Constraction of drain from navdha pandal to mahendra yadav house under ward no. 65 (15th Finance)	40.00
2	196477 (1st Call)	Construction of CC Road from Vidyanagar Anganwadi to Sharda Saav Ghar, near Madrasa to Rajni Ekka's house under Ward No. 63 (15th Finance)	20.00
3	196478 (1st Call)	Construction of Drain along the main road under Ward No. 66 (15th Finance)	23.50
4	196479 (1st Call)	Construction work of a big drain from Imlichhapar railway gate to Laxman drain under ward No. 64 (15th Finance)	52.20
5	196481 (1st Call)	Construction of C.C. Road From Ajad Nagar (Jarhajail) Jagat Shop to Bhanu Yadav House, Sushil Kaiwart Gali Satosh Yadav House, Maighnath gali to sukhdev gali and doojram house rajwade house to Gopal house at Ward No. 61 (15th Finance)	15.50

The details can be viewed directly from the Government of Chhattisgarh http://eproc. cgstate.gov.in from 30.07.2026 at 15:00 Hours. (IST) onwards.

Superintending Engineer
Municipal Corporation
Korba (C.G.)

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran

Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Atal Nagar, Raipur- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400. Website: www.navaraipuratalnagar.com

Notice Inviting Tender

Nava Raipur Atal Nagar, Dated: 03/08/2026

Online Tenders are invited for "Selection of Agency for Operation and Management of Working Women Hostel on License basis in Sector-16" and "Allotment of land for Prefabricated Building Material and Allied Structure Industry" at Nava Raipur Atal Nagar". Details of the projects are as below:

S. No.	System Tender No.	NIT No.	Location of Project	Plot Area (In Sq.mt.) approx.	Reserve Price (in INR.)	EMD (in INR. Lakhs)
1	196083	5905/R-12/PRJ /NRANVP/2026	Operation and Management of Working Women Hostel on License basis Sector-16	15,438 (3.81 Acres)	Fixed Annual License Fees INR. 2.25 Lakh	0.20
2	196082	5906/R-14/PRJ /NRANVP/2026	Prefabricated Building material and allied structure industry Layer II	48,562.20 (12 acre)	Reserve Land Premium INR. 2,350.00	115.00

Tenderers shall download tender from e-Procurement website. The tender processing fee is INR. 5,900/- only (Including GST).

* Date and Time of Pre-bid meeting at 12:00 PM on 17th August 2026
* Last Date for Online submission of Tender up to 03:00 PM on or before 31st August 2026
* Last Date for Hard copy Submission of Technical Bid up to 03:00 PM on or before 2nd September 2026
* Opening of Technical Bid after 03.30 PM on 2nd September 2026

The details of tender and terms & conditions are available on the e-Procurement website https://eproc.cgstate.gov.in

Any amendment/modification in the tender documents will only be uploaded on the e-Procurement website and shall not be published in any newspaper.

Note: If the date of Hard copy submission falls on public holiday, then the next working day shall be considered.
(Approved by CEO)

Manager (Estate)
NRANVP, Nava Raipur Atal Nagar

S-48730

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MANIYARI WATER RESOURCES DIVISION, MUNGELI, DISTT.-MUNGELI (C.G.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(FIRST-CALL)

NIT No.: 01/SAC/2026-27, Dated: 10-08-2026

Online Tenders are invited for the following works up to 31-08-2026 at 17.30 Hour

Name of work - BALANCE EARTHWORK IN DIFFERENCE REACHES FROM RD 117M. To RD 17700 M. IN MAIN CANAL, INCLUDING CONSTRUCTION OF 02 NOS. MINOR CANAL, 03 NOS VRB, 02 NOS. MINOR HEADS, 01 NOS. INLET, 14 NOS. OUTLET AND 13 NOS. STRUCTURES AND 19 NOS. OUTLET IN MINOR CANAL AND BALANCE LINING WORK OF MAIN CANAL FROM RD 1140 M. TO RD 7980 M. OF MANIYARI BARRAGE SCHEME.

System Tender No. 197157,

Probable Amount of Contract: Rs. 393.68 Lakhs (Excluding GST)
(As Per SOR on 22-08-2022 & Amended 23-04-2026)

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal (https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 17.08.2026, at 17.31 Hours. (IST) onwards.

NOTE:- 1- All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e-procurement portal (https://eproc.cgstate.gov.in) and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process.
2- It is mandatory for the tenderer to use the certificate issued for Pre Bid Qualification (Valid up to 30.09.2026) in the year 2025 in this tender.
3- The Tenderer has to exclude GST in his financial proposal.

EXECUTIVE ENGINEER
MANIYARI W.R. DIVISION MUNGELI
DISTT-MUNGELI (C.G.)

G-262702729/3

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	197061 चतुर्थ आमंत्रण 06.08.2026	जिला रायपुर के कचना में 209 जी.ए.डी. आवास कैम्पस में जी टाईप आवासगृह, बाउण्ड्रीवॉल इत्यादि निर्माण कार्य, विद्युतीकरण सहित।	784.72
2	197066 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला कबीरधाम के सैगोना से समनापुर मार्ग पर सकरी नदी पर जलमग्नीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	435.80
3	197069 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला दुर्ग के ढौर-मलपुरीखुर्द मार्ग में लोर नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	355.68
4	196666 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला महासमुंद के विकासखंड बसना के तिलईदादर-दलदली मार्ग लंबाई 1.90 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	264.45
5	196664 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	सोनसरी से मुंकुदपुर पहुंच मार्ग लंबाई 8.675 कि.मी. का निर्माण कार्य।	1835.02
6	197071 पंचम आमंत्रण 06.08.2026	जिला रायपुर के नवीन शासकीय आई.टी.आई. बंगोली (खरोरा) विकासखंड तिल्दा में महाविद्यालय भवन, 50 सीटर छात्रावास भवन एवं एफ टाईप क्वार्टर का निर्माण कार्य, वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य सहित। संभाग विधानसभा संभाग रायपुर।	521.50
7	197077 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	बसंतपुर कारियाम (मुख्य जिला मार्ग क्रमांक 79) कि.मी. 3/6 से 15/10 कुल लंबाई 12.60 कि.मी. में मजबूतीकरण का निर्माण कार्य।	917.26
8	197079 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	सरगांव पथरिया मार्ग के कि.मी. 1/2 से 5/10, 7/2 से 7/10, 11/2 से 12/10 एवं 14/2 = 9.00 कि.मी. मजबूतीकरण का निर्माण कार्य।	578.30
9	197085 तृतीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला रायपुर संभागीय आयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन रायपुर तथा लेखा प्रशिक्षण संस्थान रायपुर के भवन निर्माण कार्य, वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण कार्य सहित निर्माण कार्य।	677.54
10	197087 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओडगी के मुख्य मार्ग चोंगा से भोड़वानीपारा होते हुए मौहारीपारा तक पहुंच मार्ग लं. 4.20 कि.मी. (वास्तविक लं. 2.20 कि.मी.) पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य।	518.87
11	197088 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला जशपुर के विकासखण्ड कांसाबेल के सूजीबहार से ढुढरूडांड पहुंच मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य।	214.04
12	197089 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला जांजगीर चांपा के अरसिया बिर्रा मार्ग में सोन नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	948.31
13	197090 द्वितीय आमंत्रण 06.08.2026	जिला कांकेर के मरोडा-बेलगांव-छोटेबिटिया मार्ग के कि.मी. 6/6 बेलगाल नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	396.64
14	197091 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	नवापारा (ब) से महुदा (ब) मार्ग लंबाई 4.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	439.47
15	197100 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	कोरबा रिंग रोड से मेडिकल कॉलेज पहुंच मार्ग लंबाई 970 मीटर का निर्माण कार्य, जमा मद।	491.77
16	197102 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	नगझर से नवापारा तक मार्ग लंबाई 6.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।	755.40
17	197107 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	जिला मनेन्द्रगढ - चिरमिरी- भरतपुर के नागपुर में शासकीय नवीन महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य।	453.59
18	197108 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	जिला गरियाबंद के जोबा-खरता (दर्रीपारा - जैतपुरी-आमदी) मार्ग के सती नाला पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	648.98
19	197112 द्वितीय आमंत्रण 07.08.2026	जिला दुर्ग के सेलूद जामगांव रानीतराई पाटन मार्ग लंबाई 37.788 कि.मी. में डामर नवीनीकरण का कार्य।	1095.96

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क. 01, सं.क. 03, स.क. 06 से सं.क्र. 09 दिनांक 21.08.2026 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 27.08.2026 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर
अटल नगर

जी-262702731/4

खबर संक्षेप

सोना दो माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतों में लगातार छठे सत्र में बढ़ोतरी हुई। कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती के बावजूद व्यापारियों की ओर से निवेश की मांग के कारण सोना 1,200 रुपये बढ़कर 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार के 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 1,200 रुपये बढ़कर 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया।

जायडस लाइफसाइंसेज का मुनाफा 36 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। जायडस लाइफसाइंसेज का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 36 प्रतिशत घटकर 939.8 करोड़ रुपये रह गया।

कंपनी ने मंगलवार को बताया कि अधिक खर्च के कारण मुनाफे में कमी आई है।वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 1,466.8 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने शेयर बाजार दो जानकारी में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल परिचालन आय बढ़कर 8,017 करोड़ रुपये हो गई। जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 6,573.7 करोड़ रुपये थी। जायडस लाइफसाइंसेज लिमिटेड के अनुसार, पहली तिमाही में कुल खर्च बढ़कर 6,798.3 करोड़ रुपये हो गया।

गलत निर्णय के लिए एआई मॉडल को दोष न दें : आरबीआई गवर्नर

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मंगलवार को बैंकों से कहा कि वे कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित मॉडल विकसित करते समय फैसलों की प्रक्रिया में सार्थक मानवीय निगरानी को अनिवार्य सिद्धांत के रूप में शामिल करें।

मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि एआई उपकरणों से हुई गलतियों के लिए केवल प्रौद्योगिकी को जिम्मेदार ठहराना नियामक को स्वीकार्य नहीं होगा। यहां उद्योग मंडल फिक्की और आईबीए (भारतीय बैंक संघ) के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने कहा कि एआई का इस्तेमाल मानवीय निर्णय क्षमता का स्थान लेने के बजाय उसे बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए।

मानवीय निगरानी को अनिवार्य सिद्धांत के रूप में शामिल करें

एआई का इस्तेमाल जिम्मेदारी से किया जाए

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार पर एआई के प्रभाव को लेकर व्यापक चिंताएं जताई जा रही हैं। केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा कि आरबीआई एआई को ऐसे जोखिम के रूप में नहीं देखता जिसे नियंत्रित किया जाना चाहिए, बल्कि ऐसी क्षमता के रूप में देखता है जिसका जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

बैंक के फैसले की अंतिम जिम्मेदारी बैंक की हो

मल्होत्रा ने चेतावनी दी कि बैंकिंग प्रणाली में एआई को अपनाने के साथ समय के साथ मानवीय निर्णय क्षमता और जवाबदेही कम हो सकती है। उन्होंने कहा, ''किसी बैंक के फैसले की अंतिम जिम्मेदारी बैंक की होनी चाहिए, न कि सेवा प्रदाता या 'एल्गोरिद्म' की। हम यह नहीं कह सकते कि फैसला मॉडल ने किया। चाहे बैंक के लिए हो, ग्राहक के लिए या नियामक के लिए, यह कभी स्वीकार्य जवाब नहीं हो सकता।''

बैंक ऋण मंजूरी और ग्राहक सेवा में कर रहा एआई उपयोग

मल्होत्रा ने कहा, ''सार्थक मानवीय निगरानी, फैसले को समझाने, हस्तक्षेप करने और जहां आवश्यक हो वहां उसे बदलने की क्षमता होनी चाहिए। वास्तव में यह डिजाइन का मूल सिद्धांत बना रहना चाहिए न कि बाद में इस पर ध्यान देने की जरूरत पड़े।'' उल्लेखनीय है कि कई भारतीय बैंक ऋण मंजूरी और ग्राहक सेवा समेत विभिन्न कार्यों में एआई का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं।

फिच ने 20वें साल भारत की रेटिंग बीबीबी- पर स्थिर रखी

फिच ने भारत की रेटिंग को 'बीबीबी-' पर कायम रखा, मुश्किलों के बावजूद घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को लगातार 20वें साल भारत की सॉवरेन रेटिंग को 'बीबीबी-' पर स्थिर परिदृश्य के साथ बरकरार रखा है। फिच ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न ऊर्जा संबंधी चुनौतियों के बावजूद घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। फिच ने कहा कि उसे अमेरिका-ईरान संघर्ष से जुड़ी अनिश्चितता के कारण भारत की वृद्धि संभावनाओं पर कोई स्थायी खतरा होने की उम्मीद नहीं है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने नौकरियों को लेकर युवाओं के विरोध प्रदर्शनों के बीच राजकोषीय (वित्तीय) खर्च पर दबाव बढ़ने की आशंका जताई है।

- ऊर्जा संबंधी चुनौतियों के बावजूद घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत

खास बातें

- खाड़ी युद्ध से जुड़ी अनिश्चितता का भारत पर कोई स्थायी खतरा नहीं
- नौकरियों को लेकर विरोध और राजकोषीय दबाव बढ़ने की आशंका

भारत की अर्थव्यवस्था झटकों के प्रति जुझारू रही

सबसे निचली निवेश ग्रेड रेटिंग 'बीबीबी-' की पुष्टि करते हुए फिच ने कहा, ''हाल के वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था झटकों के प्रति जुझारू रही है, और यह रुख आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।'' फिच ने कहा कि भारत की रेटिंग इसके मजबूत वृद्धि परिदृश्य और ठोस बाहरी वित्तीय बुनियादी सिद्धांतों को दर्शाती है।

सरकारी कर्ज के नीचे आने की संभावना

फिच के अनुसार, व्यापक आर्थिक स्थिरता प्रदान करने और नीतिगत विश्वसनीयता में सुधार के मजबूत रिकॉर्ड से निकट अवधि की ऊर्जा संकट संबंधी चुनौतियों के बावजूद निरंतर मजबूत वृद्धि को बल मिलना चाहिए और आर्थिक मजबूती बढ़नी चाहिए। फिच ने आगे कहा, ''उच्च वृद्धि दर से ढांचागत ऋण संकेतकों में निरंतर सुधार को समर्थन मिलना चाहिए।

कर्ज से जीडीपी अनुपात को घटाकर 50 फीसदी पर लाने का लक्ष्य

वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में सरकार ने कर्ज-से-जीडीपी अनुपात 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था, जो वित्त वर्ष 2025-26 के 56.1 प्रतिशत से कम है। सरकार ने मार्च, 2031 तक अपने कर्ज-से-जीडीपी अनुपात को घटाकर 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा है।

सरकार को शिक्षा, रोजगार व कौशल विकास पर खर्च बढ़ाना होगा

एजेंसी ने कहा कि राज्य विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली बढ़त से केंद्र सरकार को अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं को लागू करने में मदद मिलेगी। हालांकि, फिच ने आगाह किया कि हालिया युवा विरोध प्रदर्शनों से सरकार पर शिक्षा, रोजगार सृजन और कौशल विकास जैसे उपायों पर खर्च बढ़ाने का दबाव बढ़ सकता है।

युवाओं में रोजगार के अवसरों को लेकर चिंताओं की ओर इशारा

रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''मेडिकल परीक्षा के पेपर लीक होने से शुरू हुए हालिया विरोध प्रदर्शन युवाओं में रोजगार के अवसरों को लेकर बढ़ती चिंताओं की ओर इशारा करते हैं, जिससे समय के साथ राजकोषीय खर्च पर दबाव बढ़ने का जोखिम है।''

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 15 प्रतिशत घटा

जुलाई में निवेश घटकर 24,697 करोड़ रुपए रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मूल्यांकन से जुड़ी चिंता और सीमित रिटर्न के बीच निवेशकों के सावधानी बरतने से जुलाई में इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में निवेश मासिक आधार पर 15 प्रतिशत घटकर 24,697 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के जरिये निवेश से समर्थन मिलना जारी रहा। म्यूचुअल फंड उद्योग के संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की तरफ से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी केंद्रित योजनाओं में जुलाई लगातार 65वां महीना रहा, जब शुद्ध निवेश आया। इक्विटी योजनाओं में निवेश जून के 28,973 करोड़ रुपये और पिछले साल जुलाई के 42,702 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम रहा। हालांकि, खुदरा निवेशकों की भागीदारी बनी रहने से जुलाई में एसआईपी के जरिये निवेश मामूली रूप से बढ़कर 31,961 करोड़ रुपये हो गया।

- एसआईपी के जरिए निवेश से समर्थन मिलना जारी रहा

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्यादित
मुख्यालय का पता:- मछली पालन विभाग परिसर, तेलीबांधा थाने के पास, तेलीबांधा, रायपुर, पो.आ. रविग्राम पिन कोड- 492006,
फोन 0771-4267693, Email: cgmatsyamahasangh@gmail.com

क्रमांक 367/ममसं/तक./जला./2026-27 रायपुर, दिनांक 10-08-2026

मत्स्य पालन हेतु लीज पर जलाशय आबंटन बाबत्
संक्षिप्त निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छ.ग. राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्या., रायपुर के अधीनस्थ निम्नलिखित जलाशयों को अनुबंध निष्पादन की तिथि से दिनांक 15 जून 2036 तक (दस फिशिंग वर्ष) की समयावधि के लिए मत्स्य पालन,मत्स्याखेट एवं मत्स्य विक्रय कार्य हेतु लीज पर आबंटित किये जाने बाबत् निविदाएं वित्तीय रूप से सक्षम पंजीकृत मत्स्य सहकारी समिति/ पंजीकृत व्यवसायिक संस्था/ कंपनी/ फर्म/समूह/ व्यक्ति से दिनांक 21 अगस्त 2026 अपरान्ह 3.00 बजे तक मत्स्य महासंघ मुख्यालय में निर्धारित प्रपत्र पर सील बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती है, तदुपरांत प्राप्त निविदाओं को अपरान्ह 4.00 बजे उपस्थित निविदाकार अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी।

क्र.	जलाशय का नाम	औसत जलक्षेत्र (हे.)	प्रारंभिक वार्षिक लीज राशि का ऑफसेट मूल्य (रु. लाख में)	अमानत राशि (रु. लाख में)	रिमार्क
1.	तांदुला, जिला-बालोद	2,275.00	27.30	2.46	तृतीय आमंत्रण
2.	दर्री (हसदेव बैराज) जिला- कोरबा	1,333.75	3.70	0.34	षष्टम् आमंत्रण

इच्छुक निविदादाता निविदा के संबंध में विस्तृत विवरण, शर्तो आदि की जानकारी एवं कोरे निविदा प्रपत्र राशि रु. 3,000/- (तीन हजार रु.) +GST नगद भुगतान कर मत्स्य महासंघ मुख्यालय से दिनांक 20 अगस्त 2026 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते हैं।

प्रबंध संचालक

गलगोटिया विवि ने शुरू किए बीटेक और बीबीए कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने एक्सेंचर लर्नवैंटेज के साथ उद्योग-एकेडेमिया साझेदारी के तहत एआई आधारित नए बीटेक और बीबीए कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्लाउड, डेटा और डिजिटल तकनीकों के साथ-साथ व्यावसायिक एवं पेशेवर कौशल से लैस करना है। पहल के तहत परिसर में एक्सेंचर सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज भी स्थापित किया जाएगा। बीटेक इन कंप्यूटर साइंस विद एआई कार्यक्रम में क्लाउड और एआई, एआई के साथ फुल स्टैक डेवलपमेंट, डेटा साइंस, एआई एवं मशीन लर्निंग तथा डिजाइन इंजीनियरिंग जैसी विशेषज्ञताएं शामिल हैं। वहीं, बीबीए इंटीग्रेटेड विद एआई में एआई-एकीकृत जनरल मैनेजमेंट और एआई-संचालित सेल्स एंड मार्केटिंग की विशेषज्ञता उपलब्ध होगी। विकास, कार्यस्थल संचार, उद्योग मार्गदर्शन, साक्षात्कार की तैयारी और रोजगार सहायता भी प्रदान की जाएगी। गलगोटिया यूनिवर्सिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव गलगोटिया ने कहा कि भविष्य उन छात्रों का है, जो वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में अपने ज्ञान को अनुकूलित और लागू करने में सक्षम हों। वहीं, एक्सेंचर लर्नवैंटेज, एशिया ओशिनिया के प्रबंध निदेशक अनुराग बंसल ने कहा कि एआई के बढ़ते प्रभाव के बीच ऐसे स्नातकों की मांग बढ़ रही है, जो डोमेन विशेषज्ञता को एआई कौशल के साथ जोड़ सकें।

रुपया 13 पैसे टूटकर 95.43 प्रति डॉलर पर

मुंबई। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हाल के दिनों में विदेशी पूंजी के प्रवाह से घरेलू मुद्रा को कुछ बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.38 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 95.37 से 95.45 प्रति डॉलर के दायरे में रहा और अंत में 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.43 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

कार्यालय नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

क्रमाक /1321/ दुकान नीलामी / न.प / 2026 प्रेमनगर, दिनांक 11/08/2026

पंचम दुकान नीलामी सूचना

जनसाधारण को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत प्रेमनगर द्वारा नगर पंचायत कार्यालय के बगल में निर्मित 04 नग दुकानों में से 02 नग आरक्षित वर्ग हेतु बचे हुये दुकान एवं महिला बाल विकास के बगल में 05 नग दुकानों की आम नीलामी दिनांक 27.08.2026 को दिन गुरूवार समय 01:00 बजे नगर पंचायत प्रेमनगर के सभा कक्ष में की जावेगी। इच्छुक व्यक्ति बोली में भाग लेने हेतु निर्धारित अमानत राशि निम्न विवरणिका अनुरूप दिनांक 27.08.2026 समय 12:00 के पूर्व नगद रूप में जमा कर बोली में भाग ले सकते है। बिना अमानत राशि जमा किए नीलामी में भाग लेने का अधिकार नहीं होगा।

-: विवरणिका :-

स्थल :- नगर पंचायत के बगल में निर्मित दुकान

क्र.	आरक्षण का विवरण	दुकानों की संख्या	दुकान क्र.	दुकान का आकार	दुकान का प्रकार	प्रीमियम राशि	बोली अमानत राशि	मासिक किराया
1	अ.ज.जा.	02	01, 02	4X5 m.	दुकान	572584.00	57258.00	1145.00

स्थल :- महिला बाल विकास के बगल में निर्मित दुकान

क्र.	आरक्षण का विवरण	दुकानों की संख्या	दुकान क्र.	दुकान का आकार	दुकान का प्रकार	प्रीमियम राशि	बोली अमानत राशि	मासिक किराया
1	अ.ज.जा.	03	01, 03, 04	3X4 m.	दुकान	226320.00	22632.00	500.00
2	अन्य पिछड़ा वर्ग	01	05	3X4 m.	दुकान	226320.00	22632.00	500.00
3	अनारक्षित	01	02	3X4 m.	दुकान	226320.00	22632.00	500.00

टीप :- 1. प्रत्येक दुकान के लिए अलग-अलग अमानत राशि जमा करना होगा। 2. अमानत राशि जमा करने से पूर्व नगर पंचायत से बकाया नहीं प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। 3. अनु. जनजाति वर्ग को अमानत राशि जमा करने के पूर्व सक्षम अधिकारी का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। 4. शेष नियम एं शर्तें कार्यालयीन अवधि में नगर पंचायत कर्यालय में देखे जा सकते हैं। 5. प्राप्त उच्चतम बोली स्वीकृत करने या न करने हेतु परिषद का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। 6. नीलामी की कार्यवाही स्थगित करने का अधिकार मुख्य नगरपालिका अधिकारी/अध्यक्ष का होगा। 7. नीलामी (बोली) पूर्व शर्तनामा की समस्त शर्ते का अवलोकन कर मान्य होने पर ही बोली लगायी जावेगी।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

SBI भारतीय स्टेट बैंक तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा
ब्लॉक बी-1, पुजारी चेंबर, पचपेड़ी नाका, रायपुर, फोन- 9407685755, 7049119901

नियम 8(1) कब्जा संबंधी नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, जो कि **भारतीय स्टेट बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी हैं, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधारकर्ता को डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि नीचे दर्शायी गयी है, उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर उसमे उल्लिखेत राशी और उस पर लगने वाले ब्याज अदा करने जारी किया गया। उधारकर्ता(ओं) द्वारा उक्त राशि चुकाने में असफल होने के कारण, एतदद्वारा उधारकर्ता(ओं)/जमानतदार(ओं) को एवं जनसामान्य को सामान्य रूप से नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत् अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता(ओं)/जमानतदार(ओं) और जनसामान्य को एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबधित कोई लेन देन नहीं करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि और उस पर लगने वाले ब्याज एवं अन्य प्रभार के लिये भारतीय स्टेट बैंक की संबधित शाखा के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगा (मांग नोटिस दिनांक के बाद जमा की गई राशि, यदि कोई हो, को समायोजित करके)। ***उधारकर्ता(ओं)/जमानतदार(ओं) का ध्यान प्रतिभूत परिसंपत्तियों के मोचन (redeem) कराने के संबंध में उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।***

क्र.	उधारकर्ताओं का नाम	मांग सूचना / कब्जे की तिथि	बकाया राशि	अचल संपत्ति का विवरण
1.	**उधारकर्ताओं - श्रीमती शिवानी अग्रवाल** पति श्री सौरभ अग्रवाल **एवं श्री सौरभ अग्रवाल** पिता श्री प्रमोद अग्रवाल	30.05.2026 / 07.08.2026	**रू. 29,08,942.00** दि. 30.05.26 को + ब्याज एवं अन्य शुल्क दि. 31.05.26 से प्रभावी	संपत्ति का स्वामित्व: श्रीमती शिवानी अग्रवाल पति श्री सौरभ अग्रवाल एवं श्री सौरभ अग्रवाल पिता श्री प्रमोद अग्रवाल। अचल संपत्ति स्थित फ्लैट नंबर 303, तीसरी मंजिल, वैभव वाटिका, खसरा नंबर 265, जिसमें 266/23 भी शामिल, सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड नंबर 51, प.ह नंबर 18, ग्राम अगरखार, क्षेत्रफल- 777 वर्गफुट। सेल डीड दिनांक 10.05.2022, दस्तावेज़ पुस्तक क्रमांक 01, खंड क्रमांक 6050, पृष्ठ क्रमांक 210 से 240 तक, संख्या क्रमांक 771, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय कोरबा के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएँ (टाइटल डीड दिनांक 10.05.2022 के अनुसार):- उत्तर: फ्लैट नंबर 304, दक्षिण: सीढ़ियाँ एवं लॉबी, पूर्व: लॉबी व अपार्टमेंट नंबर 311 व 312, पश्चिम: लिफ्ट।
2.	उधारकर्ता: श्रीमती शिल्पा सराफ पिता श्री प्रमोद गोयल	30.05.2026 / 07.08.2026	**रू. 28,25,054.00** दि. 29.05.26 को + ब्याज एवं अन्य शुल्क दि. 30.05.26 से प्रभावी	संपत्ति का स्वामित्व: श्रीमती शिल्पा सराफ पिता श्री प्रमोद गोयल। अचल संपत्ति स्थित फ्लैट नंबर 203, द्वितीय मंजिल, वैभव वाटिका, खसरा नंबर 265, जिसमें 266/23 भी शामिल, सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड नंबर 51, प.ह नंबर 18, ग्राम अगरखार, क्षेत्रफल- 777 वर्गफुट। सेल डीड दिनांक 02.11,2021, दस्तावेज़ पुस्तक क्रमांक 01, खंड क्रमांक 5878, पृष्ठ क्रमांक 261 से 287 तक, संख्या क्रमांक 1598, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय कोरबा के अंतर्गत पंजीकृत। सीमाएँ (टाइटल डीड दिनांक 02.11.2021 के अनुसार):- उत्तर: फ्लैट नंबर 204 एवं खुली छत, दक्षिण: सीढ़ियां एवं लॉबी, पूर्व: लॉबी एवं फ्लैट नंबर 211, 212, पश्चिम: लिफ्ट एवं अपार्टमेंट नंबर 201, 202.

यह सूचना अंग्रेजी भाषा में भी प्रकाशित की जा रही है। व्याख्या के किसी भी मामले में अंग्रेजी संस्करण अंतिम होगा।

दिनांक: 07.08.2026, स्थान- कोरबा प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक, सार्ब, रायपुर

राशिफल

मेष: रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष: परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन: तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क: आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह: कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या: परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला: धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक: भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु: कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर: व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ: तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन: दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता

शब्द पहेली - 6315

1	2		3		■	■	4		5	■
6		■		■	7			■	8	9
	■	■	10			■		■	■	
11		12		■	■	13	■	14	15	
	■		■	16				■		■
■	17		■		■		■	18		■
■		■	19				■		■	20
21			■		■	■	22			
	■	■	23	■	24			■	■	
25	26	■	27			■		■	28	
■	29			■	■	30				

बाएँ से दाए
1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल,जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण,पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6314 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
व	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	ब	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	च	र	ज	■	फ	■	ना	ला	य	क
ब	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	जा	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	ब
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

सूडोकु नवताल - 6325

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6324 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

प्रथम पृष्ठ का शेष

हरेली पूजा में...

अश्लेषा नक्षत्र है। पुष्य नक्षत्र को नक्षत्रों का राजा कहा जाता है। यह एक शुभ नक्षत्र है, इसमें आप शुभ कार्य कर सकते हैं, जिसमें सफलता प्राप्त होती है। स्थिर कार्य भी इस नक्षत्र में कर सकते हैं।

उल्टे पंख वाले...

होता है। इसे अलग-अलग स्थानों में अलग-अगल नाम से जाना जाता है। कुछ स्थानों में इसे सियार देव कहा जाता है तो कुछ जगहों में इसे सांहड़ा देव भी कहते हैं। सावन माह के पहले रविवार को सभी ग्रामवासी सीमा रेखा में स्थित इस पत्थर के पास जुटते हैं। विभिन्न सामग्री से मंत्रोच्चारण सहित पूजन किया जाता है। इसी दौरान उल्टे पंख वाले मुर्गे की पूजा भी की जाती है। इसके पश्चात ग्रामवासी सीमा से गांव की ओर मुड़ते हैं। इसके बाद से पीछे मुड़कर देखने की मनाही होती है। मुंह पीछे करके ही वे उल्टे पंख वाले मुर्गे को छोड़ देते हैं। यह समस्त क्रिया गांव बुरी शक्तियों से गांव की रक्षा के लिए की जाती है।

रात्रि 8 बजे...

तांत्रिक क्रियाएं सर्वाधिक होती हैं, लेकिन गांवों में रात्रि 8 बजे से ही ताला लग गया। राजधानी के घरों में भी यह स्थिति नजर आई। यहां भी गोबर से मानव आकृतियां निर्मित की गईं।

दरवाजे पर कील...

को बारसूर, मुचनार, रोंजे आदि गांव में हरियाली पर्व यानि अमुष खावनी त्यौहार मनाई जाएगी। ग्रामीण एक दिन पहले से ही पर्व की तैयारी में जुट गए हैं। जंगल से मवेशियों के लिए जड़ी-बूटी संग्रहण व बलि के लिए पशु के इंतजाम का जिम्मा बड़े - बजुर्ग को सौंपा गया है। परंपरानुसार बुधवार को अल सुबह गाय, बैल, भेड़ बकरियों को जंगल से संग्रहित रसना, सतावरी आदि वनौषधि खिलाने की रस्म अदा की जाएगी। तत्पश्चात खेत में उगाए गए खरीफ फसलों की पूजा कर कुल देवता से अच्छी बारिश और भरपूर उत्पादन की कामना करते हैं। प्रतीक स्वरूप जंगली लता और पौधे बांध तेंदु की टहनी को खेत के बीचों- बीच गाड़कर रखते हैं। हरेली के दिन शाम को पर्व का मुख्य देव विधान घर की चौखट पर कील ठोककर घर के सदस्यों को हर प्रकार की बुरी शक्ति और प्रेत बाधा से रक्षा करने का आव्हान किया जाता है। आदिवासियों के लिए खास - जानकार थलेश ठाकुर के मुताबिक श्रावण मास की अमावस्या को आदिवासी समुदाय के लोग देव अनुष्ठान के लिए बेहद शुभ मानते हैं। उनकी मान्यता है कि इस दिन ग्राम व कुल देवता की पूजा करने से सारी मनोकामना पूरी होती है। कुल देवता से प्रार्थना करना केवल अपने परिजनों के स्वास्थ्य बल्कि मवेशियों को भी सालभर किसी प्रकार की महामारी नहीं आती। यही नहीं हरियाली अमावस्या के देव विधान से बाढ़, अकाल आदि प्राकृतिक विपदा तथा कीट- पतंग के नुकसान का खतरा भी कम रहता है। इसलिए अमावस्या का त्यौहार आदिवासियों के लिए बेहद शुभ और खास पल माना जाता है।

देवता प्रसन्न हों,...

से पूजा-अर्चना की गई। ग्रामीणों के अनुसार हरेली पर्व के पहले पूरे गांव की खुशहाली, सुख-समृद्धि और प्राकृतिक आपदाओं से रक्षा के लिए देवी-देवताओं को प्रसन्न करने की परंपरा ग्रामीण क्षेत्रों में निभाई जाती है। छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा के अनुसार ग्रामीण हरेली से पहले एकत्र होकर 'गांव बनाने' की रस्म पूरी करते हैं। मान्यता है कि विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से गांव में बीमारी और प्राकृतिक आपदा का संकट दूर रहता है, मवेशी स्वस्थ रहते हैं और खेतों में अच्छी फसल होती है। इस अवसर पर नागेश्वर जायसवाल, परदेशी सोनकर, चंद्रकुमार जायसवाल, कलिका सोनकर, परमेश्वर पटेल, फूल सिंह साहू, छबिल, मंगला, विष्णु निषाद, लखन साहू, भरत गोंड, गोकुल सोनकर, लीलाराम सोनकर, रमेश सोनकर, मनीराम साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। प्राकृतिक आपदाओं से बचाव-उपसरपंच ठाकुरराम सोनकर ने बताया कि गांव में समय-समय पर आने वाली प्राकृतिक आपदाओं से ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ता है। इसी से बचाव और गांव की सुख-समृद्धि के लिए यह परंपरा निभाई जाती है। ग्रामीणों की कामना है कि गांव हरा-भरा रहे, अच्छी फसल हो और सभी के सामाजिक, निजी एवं वैवाहिक कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हों।

वर्षों से चली...

और ग्रामीणों की रक्षा की कामना की जाती है। पूजा के दौरान गांव के मवेशियों को भी एक स्थान पर एकत्र किया गया और उनके सामने पूजा-अर्चना की गई, ताकि वे बीमारी से सुरक्षित रहें।

छात्रों पर चली...

सवाल दोहराया, तो प्रियंका ने कहा, 'राहुल तो झारखंड के छात्रों से मिल भी चुके हैं।' इसके बाद वे आगे बढ़ गईं। प्रदर्शन में ये सांसद हुए शामिल- एनडीए की ओर से कंगना रनौत, अरुण गोविल, अपराजिता सारंगी और अनुराग ठाकुर समेत कई सांसद झारखंड सरकार के रुख और राहुल गांधी पर सवाल उठा रहे थे। उनका कहना था कि राहुल गांधी अपनी सरकार वाले राज्य झारखंड में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज पर चुप क्यों हैं? वहीं, इंडिया गठबंधन की ओर से प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव और जया बच्चन समेत अन्य नेताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए छात्र प्रदर्शन और अन्य मुद्दों को लेकर गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ था।

बिल्डर्स ने सोसाइटी...

रही है। प्राधिकरण ने कहा है कि परियोजना पूरी होने के बाद भी यदि प्रमोटर आवंटियों की सोसाइटी या एसोसिएशन के गठन और कॉमन एरिया व परियोजना से संबंधित दस्तावेजों के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं करता है, तो यह नियमों के अनुरूप नहीं है। सिर्फ रजिस्ट्रेशन नहीं, खरीदारों के अधिकारों की रक्षा भी उद्देश्य- सीजी रेरा ने कहा है कि रेरा का उद्देश्य केवल रियल एस्टेट परियोजनाओं का पंजीकरण करना नहीं है। इसका मकसद परियोजना के खरीदारों के अधिकारों की रक्षा, पारदर्शिता, जवाबदेही और सुरक्षित रियल एस्टेट व्यवस्था सुनिश्चित करना भी है। प्राधिकरण के मुताबिक कॉमन एरिया और परियोजना प्रबंधन का समयबद्ध हस्तांतरण उपभोक्ता हितों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्राधिकरण ने सभी आवंटियों से भी अपील की है कि वे अपने वैधानिक अधिकारों के साथ-साथ अधिनियम के तहत निर्धारित कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहें और सोसायटी के गठन तथा परियोजना प्रबंधन के हस्तांतरण की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग करें।

595 परियोजनाओं...

मामलों में संबंधित प्रमोटर्स को नोटिस जारी किए गए हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यह प्रक्रिया केवल परियोजना के पंजीकरण तक सीमित नहीं है। रेरा कानून के तहत प्रमोटर का दायित्व है कि वह आवंटियों की सोसायटी या एसोसिएशन के गठन को सुनिश्चित करे और परियोजना के सामान्य क्षेत्रों, सुविधाओं तथा संबंधित अभिलेखों का विधिवत हस्तांतरण संबंधित संस्था को करे।

15 दिन में जवाब...

विकास) अधिनियम, 2016 के प्रावधानों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। यानी प्राधिकरण ने फिलहाल प्रमोटर्स को अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर दिया है, लेकिन तय समय में अनुपालन नहीं होने पर मामला औपचारिक कार्रवाई की दिशा में बढ़ेगा।

रिश्वत लेते पकड़े...

अधिनियम) बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा सुनाई गई सजा के बाद की गई है। कोर्ट ने आरोपी सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी रिश्वत लेने के मामले में दोषी मानते हुए 3 वर्ष का कठोर कारावास व 10 हजार रूपए के अर्थ दंड से दंडित किया गया है। बताया जा रहा है कि बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर इंजानी शासकीय उमावि में पदस्थ व बीईओ कार्यालय में संलग्न सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी गौतम सिंह आयम को एंटी करप्शन ब्यूरो ने 13 अगस्त 2024 को 12 हजार रूपए की रिश्वत के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में आरोपी गौतम सिंह आयम को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। जेल भेजने के बाद शासकीय सेवक द्वारा 48 घंटे से अधिक अवधि तक न्यायिक अभिरक्षा में रहने के कारण कलेक्टर के निर्देश पर 21 अगस्त 2024 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया था। इस मामले में 29 जुलाई को विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा विशेष आपराधिक प्रकरण (भ्रष्टाचार निवारण) में 15 मई निर्णय देते हुए आरोपी को दोषी माना। कोर्ट में यह सिद्ध हुआ कि आरोपी गौतम सिंह आयम द्वारा प्रार्थी नितेश रंजन पटेल से एरियर्स भुगतान के नाम पर 20 हजार रूपए की रिश्वत मांगी गई और 12 हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़े गए। कोर्ट ने आरोपी को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित अधिनियम, 2018) की धारा 7 के तहत दोषी मानते हुए 3 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रूपए के अर्थ दंड से दंडित किया है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर एक माह के अतिरिक्त कारावास से दंडित किया गया है। डीईओ कार्यालय द्वारा की गई कार्रवाई में यह उल्लेख किया गया है कि गौतम सिंह आयम को न्यायालय द्वारा दोषी मानते हुए सजा दी गई है इसलिए पृथक से विभागीय जांच की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में डीईओ ने छग सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 10 (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा माननीय विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम द्वारा दी गई सजा के आधार पर शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

इस रफ्तार से...

मुख्य न्यायाधीश ने भी इस पर चिंता जताते हुए कहा कि जिस रफ्तार से काम चल रहा है, उस हिसाब से सारी अपीलों की सुनवाई पूरी होते होते अगला चुनाव आ जाएगा। यह टिप्पणी सुनकर पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने कहा कि वे इससे जुड़ा पूरा डेटा कोर्ट में पेश करेंगे। कोर्ट ने कहा कि अगर इन ट्रिब्यूनल का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं है, तो उनके काम करने के तरीके में बदलाव किया जा सकता है। चुनाव आयोग से अब इन ट्रिब्यूनल के कामकाज की पूरी जानकारी मांगी गई है और अगली सुनवाई 25 अगस्त को होगी।

58 लाख से ज्यादा नाम कटे- पश्चिम बंगाल में एसआईआर की ड्राफ्ट लिस्ट में 58.20 लाख नाम कट गए हैं। ड्राफ्ट लिस्ट से पहले राज्य में 7.66 करोड़ थे, ड्राफ्ट लिस्ट में 7.08 करोड़ वोटर्स का नाम शामिल किया गया। काटे गए वोटर्स का प्रतिशत 7.6 है, यानी हर 100 से में लगभग 8 वोटर्स का नाम हटाया गया है। हालांकि, 58.20 लाख वोटर्स में से 24.17 लाख मृत पाए गए, 1.38 लाख डुप्लीकेट या फर्जी थे, 32.65 लाख वोटर्स शिफ्ट, लापता और अन्य थे।

कितनी अपील कितनों...

ट्रिब्यूनल ने अब तक कितनी कार्रवाई की है। ट्रिब्यूनल में करीब 34 लाख अपील पेंडिंग हैं। कोर्ट ने कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। चौधरी ने अपीलेट ट्रिब्यूनल के सामने एसआईआर से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा कराने की मांग की थी।

सीईओ का इंटरव्यू...

शामिल हैं। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट रहे पूर्व आईपीएस राजेश पांडेय और जौनपुर के पूर्व डीएम दिनेश चंद्र ने भी इंटरव्यू दिया। सेवानिवृत्त न्यायाधीश प्रमोद कोहली, डॉ. सुरेश हावड़े और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल विष्णुकांत चतुर्वेदी की तीन सदस्यीय समिति उम्मीदवारों का एक से दो घंटे तक गहन साक्षात्कार ले रही है।

ट्रस्ट लगाएगा अंतिम...

श्रद्धालुओं की सुविधाओं और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिहाज से यह सीईओ पद बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

5,300 लोगों...

आधार पर टीम ने 5,300 आवेदनों की स्क्रूटनी की। इनमें से 18 कैंडिडेट पद के योग्य पाए गए। इसके बाद इन्हें इंटरव्यू के लिए बुलाया गया।

टैट परीक्षा विवाद,...

दुर्भावनापूर्ण या कानून के विपरीत साबित हो। दरअसल सीजी टैट 2024 की फाइनल आंसर-की में व्यापमं ने सेट-ए के प्रश्न क्रमांक 56, सेट-बी के प्रश्न क्रमांक 55 तथा सेट-सी और डी के प्रश्न क्रमांक 57 को विलोपित कर दिया था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि मॉडल आंसर-की के आधार पर वे न्यूनतम पात्रता अंक 75 हासिल कर रहे थे, लेकिन प्रश्न हटाए जाने के बाद उनके अंक 74.5 से 74.9 के बीच रह गए। इस तरह वे पात्रता अंक हासिल करने से महज एक अंक से कम अंतर पर रह गए। अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि परीक्षा के निर्देशों के मुताबिक संबंधित प्रश्नों को विलोपित नहीं किया जा सकता था। उन्होंने हटाए गए प्रश्नों को दोबारा शामिल करने की मांग की थी।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
प्रसूति, नवजात, शिशु रोग, बांझपन, सोनोग्राफी, आयुष्मान कार्ड, बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन, अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
असली केंदवा मलहम ®
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होलसेल कपड़ा दुकान हेतु सेल्समैन एवं दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- हीरा ट्रेडिंग कम्पनी श्रीराम क्लॉथ मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9827112950, 8319617107 (41620)

आवश्यकता है- बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों की देखभाल, आल राउण्डर कुक, चौकीदार, आया, हाउस कीपिंग, वेटर, कक्षा नर्सरी से 8वीं पढ़ाने हेतु शिक्षक चाहिए पार्ट/ फुल टाइम हेतु अनुभवी व्यक्ति सम्पर्क करें- 7024477656 (41619)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में डाटा स्पेक कम्प्यूटर में ऑर्डर कार्य हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है सम्पर्क करें- छत्तीसगढ़ साइंटिफिक वर्क्स नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार बिलासपुर 9329124924 (41618)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एवं कॉस्मेटिक एजेन्सी में कार्य हेतु अनुभवी युवक युवतियों की। वेतन योग्यता अनुसार मिले- कन्हैया डिस्ट्रीब्यूटर (सिटी केमिस्ट के बगल, मन्दिर वाली गली) मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9329248899 (41622)

आवश्यकता है-खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 (41596)

आवश्यकता है- कॉर्पोरेट ऑफिस में फील्ड कार्य हेतु पार्ट टाइम जॉब हेतु युवक, युवतियों चाहिए योग्यता 10वीं, 12वी पास सम्पर्क करें- 2-5pm तक हंसा विहार महिमा ट्रेड सेन्टर लिंक रोड बिलासपुर 9131422800 (41623)

आवश्यकता है- प्रो सोलर एनर्जी कम्पनी में सोलर पैनल का प्रचार प्रसार हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000+ पेट्रोल+ कमीशन, लोकेशन- ऑल छत्तीसगढ़, ऑफिस- बिलासपुर सम्पर्क करें- 9893674156, 9111908225 (41621)

आवश्यकता है- सिरगिट्टी फैक्ट्री में स्टॉक मेंटेन करने के लिए स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- भगत सिंह कॉम्प्लेक्स मेन रोड व्यापार विहार बिलासपुर 79995 30880 (41625)

आवश्यकता है-गोदरेज फर्नीचर शोरूम में फर्नीचर फिटिंग हेतु फिटर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों सम्पर्क करें- 12बजे से 5बजे तक श्रीश्याम होटल के बाजू में, एफसीआई चौक, व्यापार विहार बिलासपुर 9111882220 (41611)

आवश्यकता है-Evince pub Publishing कोनी बिलासपुर में बुक पब्लिशिंग हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के, लड़कियाँ चाहिए। MS Word, Excel, Canva का ज्ञान आवश्यक। सम्पर्क करें- 6260711728, 91718 10321 (41579)

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में नाइट ड्यूटी में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम रिंग रोड नं.-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41612)

आवश्यकता है-डोर स्टेप लॉन्ड्री में रिसेप्शनिस्ट एवं अनुभवी ड्राई क्लीनर कारीगर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता, अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- ड्रीम बिल्डर्स के बगल में, मन्दिर चौक, जरहाभाठा, बिलासपुर 97706 66677 (41614)

आवश्यकता है-इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में पैकिंग एवं बिलिंग कार्य के लिए कम्प्यूटर जानकर स्टाफ एव साफ, सफाई काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पूनम इलेक्ट्रॉनिक्स गांधी चौक बिलासपुर (41617)

आवश्यकता है-चिकन बिरयानी, साउथ इंडियन, चाइनीज और कॉन्टिनेंटल फूड आइटम बनाने के लिए अनुभवी शेफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8349360608, 78691 02531, 7869102530 (41616)

आवश्यकता है-प्लाईवुड, हार्डवेयर शोरूम में काउंटर, बिलिंग हेतु सेल्समैन, सेल्सगर्ल मार्केटिंग हेतु सेल्समैन, मेहनती कार्य हेतु 10वीं पास व्यक्ति चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- सरस्वती ट्रेडिंग एजेन्सी पुराना हाईकोर्ट रोड बिलासपुर (41601)

आवश्यकता है-अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार Manual/ Automatic चलाने में सक्षम हो, शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 93019 22223 (41608)

आवश्यकता है-घर के काम के लिए फुल-डे हाउस हेल्प की आवश्यकता है। सफाई एवं घर के अन्य कार्य करने हैं। अनुभवी एवं भरोसेमंद महिला को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7692090000 (41615)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड गनमैन, फिल्ड ऑफिसर, सिक्युरिटी सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, घरेलू कामवाली बाई। वेतन 8000- 20000 पता- साईं सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल बाजू तोरवा बिलासपुर 9893041578, 8085233213, 72238 21623, 7440981254 (41602)

आवश्यकता है- शहर के मध्य प्रतिष्ठित लॉज में कार्य करने हेतु वेटर (वेतन- 7000) एवं सुपरवाईजर (वेतन- 8000) की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- होटल रोहित जूनी लाइन बिलासपुर 786991 9506 (41610)

आवश्यकता है-ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है, वेतन 8000/- कार्य समय 10 से 8, सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज, गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 81091 67000 (41606)

आवश्यकता है-जीव विज्ञान (बायो) एवं वाणिज्य (कॉमर्स) पढ़ाने हेतु योग्य, अनुभवी शिक्षिकाओं की आवश्यकता है (बायोडाटा स्कूल में आकर जमा करें) सम्पर्क करें-होली क्रॉस हायर सेकेंडरी स्कूल मंगला बिलासपुर 07752 444092, 9406143202 (41595)

आवश्यकता है-मॉड्युलर किचन हार्डवेयर फिटिंग्स की मार्केटिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 10000 से 15000+ कमीशन सम्पर्क करें- श्रीसांई कृपा कॉम्प्लेक्स उसलापुर 90989 09757, 8827146987 (41605)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में ड्राइवर कि आवश्यकता है जो ऑटोमैटिक Desire और WagonR चला सके सम्पर्क करें- 9893285943, 92298 58916 (41573)

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड 17000 सुपरवाइजर 20000 फील्ड अधिकारी 18000 कंप्यूटर ऑपरेटर 15000- 20000 टेंडर कार्य, मेस सुविधा ,आवास फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016 (815)

बेचना है

बेचना है-शांति नगर रिंग रोड नं-2 गौरव पथ बिलासपुर में स्थित लगभग 4200 वर्गफुट प्लॉट अति शीघ्र बेचना है। इच्छुक खरीददार सम्पर्क करें- 9329111632 (41609)

बेचना है-2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 25 लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infrahomes construction हेमूनगर मुर्राभट्टा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है-हॉस्टल, कोचिंग सेन्टर हेतु प्लाट बेचना है। अटल बिहारी वाजपेई यूनिवर्सिटी कोनी बिलासपुर के पास 40×100, 50×130, 87×195, 132×184 एवं सेंदरी चौक में 48×145 बेचना है। सम्पर्क करें- 9406441535 (41607)

बेचना है-व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट साईज 375 वर्गफीट, बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट, प्लॉट शीघ्र बेचना है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9630083740, 97706 76030 (41594)

बेचना है-2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 27 लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर, साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क- JBS Infr- homes construction हेमू नगर मुर्राभट्टा तोरवा 93000 00195 (41538)

बेचना है-बिलासपुर नया हाईकोर्ट के पास काली ढाबा के सामने 5168 वर्गफुट प्लॉट एवं मोपका में कमर्शियल डायवर्सन किया हुआ 2500 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें 78988 55268 (ब्रोकर क्षमा करें) (41541)

बेचना है-(1) चिल्हाटी मोपका 36 एवं 50 डिसमिल 30फिट चौड़ी रोड प्रीकास्ट बाउंड्री सहित (2) भारतीय नगर माधौ तालाब पास 1100 वर्गफीट (3) भारतीय नगर अयप्पा मन्दिर के पास प्लांट 1400 वर्गफीट (4) कड़ार नेशनल हाईवे से लगा प्लाट 70 डिसमिल 300 फीट फ्रंट (5) पेंड्रीडीह बोड़सरा में 19 डिसमिल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9479169997 (41560)

बेचना है- बिलासपुर घुरू नारायणी होम्स में डायवर्टेड प्लॉट 1200 वर्गफुट 14.40 लाख में एवं 2BHK मकान मात्र 30 लाख में बेचना है। सम्पर्क करें- 9329940681, 8461997770 (41624)

फायनेंस

फायनेंस-राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा विभिन्न प्रकार के लोन उपलब्ध। बिजनेस, कृषि, होम एवं प्रॉपर्टी लोन। 1% वार्षिक ब्याज एवं 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करें। डाउन सिबिल स्कोर वालों के लिए भी सुविधा। सम्पर्क करें-79884 65321, 7988465321 (049)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

MedicareSpecialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवर्टाइजमेंट:- मो. 8109229025

वनडे वर्ल्ड कप 2027: 10 टीमों को सीधा टिकट, वेस्टइंडीज को खेलना होगा क्वालीफायर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईसीसी पुरुष वनडे वर्ल्ड कप 2027 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है और इसके लिए डायरेक्ट क्वालीफाई करने वाली 10 टीमों की तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है। आयरलैंड को तीसरे वनडे मैच में 3 विकेट से हराकर अफगानिस्तान ने इस मेगा इवेंट के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाली 10वीं टीम बनने का गौरव हासिल किया है। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने आईसीसी वनडे रैंकिंग और क्वालीफिकेशन चक्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए विश्व कप का सीधा टिकट पक्का कर लिया।

10 टीमें हुईं वर्ल्ड कप के लिए पक्की

2027 में होने वाला यह वनडे वर्ल्ड कप दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे की सह-मेजबानी में खेला जाएगा (साथ ही नामीबिया भी सह-मेजबान है)। मेजबान देश होने के नाते दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को इस टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिला है। उनके अलावा आईसीसी वनडे रैंकिंग और तय कट-ऑफ के आधार पर भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका और बांग्लादेश ने भी मुख्य दौर में अपनी जगह पक्की कर ली है। अफगानिस्तान के जुड़ने से अब सीधे क्वालीफाई करने वाली टीमों की सूची पूरी हो चुकी है।

विश्वकप की 10 टीमें

- ऑस्ट्रेलिया
- भारत
- न्यूज़ीलैंड
- पाकिस्तान
- श्रीलंका
- इंग्लैंड
- बांग्लादेश
- अफगानिस्तान
- दक्षिण अफ्रीका
- ज़िम्बाब्वे

अफगानिस्तान ने लपका वर्ल्ड कप का टिकट

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया

बेलफास्ट। अफगानिस्तान ने राशिद खान के ऑलराउंड खेल के दम पर आयरलैंड को तीसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 31 गेंद शेष रहते हुए तीन विकेट से हराकर अगले साल अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली। आयरलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.3 ओवर में 206 रन बनाकर आउट हो गई। एक समय उसका स्कोर आठ विकेट पर 128 रन था। इसके बाद गेविन होए (36) और जय मूंदड़ा (31) ने नौवें विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। अफगानिस्तान की तरफ से राशिद ने 44 रन देकर तीन और एएम गजनफर ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए।

राशिद ने खेली हरफनमौला पारी

इसके जवाब में अफगानिस्तान सलामी बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज के 71 रन के बावजूद 6 विकेट पर 164 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था। राशिद ने यहीं से मोर्चा संभाला और 43 गेंद पर नाबाद 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आयरलैंड की तरफ से होए ने 34 रन देकर चार विकेट लिए। अफगानिस्तान ने इस जीत से पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इससे अफगानिस्तान विश्व कप के लिए स्वतः क्वालीफाई करने वाली आठवीं टीम बन गई है। इन दोनों टीम के बीच पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि अफगानिस्तान ने दूसरा मैच 92 रन से जीता था।

खबर संक्षेप

जीएफआई ने किया आशीष कुमार को बाहर

नई दिल्ली। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ (जीएफआई) ने चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की शिकायतों का जवाब देते हुए राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता आशीष कुमार को अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ियों (एसओएम) की सूची से हटा दिया है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अनुसार एसओएम में शामिल होने वाले खिलाड़ियों का पद के लिए आवेदन करने से कम से कम एक वर्ष पहले संन्यास लेना आवश्यक है। आशीष और एक अन्य जिम्नास्ट आदित्य राणा ने अप्रैल-मई में भुवनेश्वर में एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लिया था। उन्हें जीएफआई की 'अस्थायी' एसओएम सूची में शामिल किया गया था। मंत्रालय ने जीएफआई से उन शिकायतों पर जवाब मांगा था, जिनमें कहा गया था कि चयन मानदंड पूरा नहीं करने के बावजूद उन्हें सूची में शामिल किया गया था।

ग्लास्गो कॉस्मिक के लिए खेलेंगे जेसन रॉय

ग्लास्गो। इंग्लैंड के अनुभवी सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय को ग्लास्गो कॉस्मिक ने पहले यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। 36 वर्षीय खिलाड़ी इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है हालांकि उन्होंने 2023 के बाद अपने देश की तरफ से कोई मैच नहीं खेला है। वह प्रथम श्रेणी और पेशेवर टी20 लीग क्रिकेट में सक्रिय हैं। शीर्ष क्रम के आक्रामक बल्लेबाज रॉय का टी20 में स्ट्राइक रेट 137 का है। रॉय ने कहा, 'जब कप्तान ने मुझे फोन करके पूछा कि क्या मैं उपलब्ध हूं, तो मैं बहुत उत्साहित हो गया और मैं तैयार था। मैं ग्लास्गो कॉस्मिक की तरफ से खेलने और इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्सुक हूं।' टीम के प्रिंसिपल और सीईओ राशिद अली खान ने कहा, 'जेसन अपनी पीढ़ी के सबसे कुशल खिलाड़ियों में से एक हैं, जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड रहा है। उनके अनुभव का हमारी टीम को काफी फायदा मिलेगा।'

राष्ट्रमंडल तलवारबाजी भारत ने जीते 7 पदक

नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों ने नाइजीरिया में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए प्रतियोगिता के दूसरे दिन 7 और पदक अपने नाम किए। भारत ने प्रतियोगिता के पहले दिन ही 4 स्वर्ण सहित कुल 17 पदक जीतकर पुरुष और महिला व्यक्तिगत स्पर्धाओं में अपना दबदबा कायम किया था। भारतीय खिलाड़ियों ने सीनियर व्यक्तिगत वर्ग की महिला सेबर, महिला एपी और पुरुष फॉयल स्पर्धाओं में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक जीते। सीनियर महिला एपी स्पर्धा में तनिष्का खत्री ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी साथी खुशी दाभाड़े ने रजत पदक अपने नाम किया।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम ने बहाया पसीना

कोलंबो में टीम इंडिया का आखिरी नेट सेशन, रिवर्स स्विंग पर साधा निशाना

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम ने कोलंबो में अपना आखिरी प्रैक्टिस सेशन पूरा किया। भारतीय बल्लेबाजों ने तय बैटिंग ऑर्डर के हिसाब से अभ्यास किया, जिसमें यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पड्डीकल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत शामिल रहे। सूखी और दरार वाली पिच पर खिलाड़ियों ने पुरानी व नई गेंद से रिवर्स स्विंग का सामना किया। कप्तान शुभमन गिल ने आकिब नबी और थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट के खिलाफ अभ्यास किया।

कप्तान गिल की स्पेशल प्रैक्टिस

कप्तान शुभमन गिल जानते थे कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज से उन्हें उतनी प्रैक्टिस नहीं मिल पाएगी, जितनी उन्हें चाहिए, इसलिए वह थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट और बैटिंग कोच सितांशु कोटक के साथ प्रैक्टिस नेट्स पर गए। प्लान बिल्कुल आसान था। एक नई गेंद और दो थोड़ी पुरानी गेंदें, रिवर्स स्विंग का सामना करने के लिए तैयार रहना था। दाएं हाथ के बल्लेबाज को कई गेंदें फेंकी गईं और वे ज़्यादातर गेंदों पर कंट्रोल में दिखे, सिवाय कुछ ऐसी गेंदों के जो अजीब तरह से उछलीं या थोड़ी नीची रहीं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय कोच का बड़ा दावा

वॉर्म-अप मैच की चौथे दिन की पिच जैसी दिखने वाली पिच पर भारतीय टीम मैनेजमेंट ने आने वाली सीरीज जैसे हालात बनाने की कोशिश की। पिच सूखी थी, उसमें काफी दरारें थीं और सिर्फ एक तरफ से बैटिंग करने का मतलब था कि जैसे-जैसे सेशन आगे बढ़ा,टेस्ट मैच की तरह बैटिंग और मुश्किल होती गई। प्रैक्टिस में पुरानी, नई और थोड़ी पुरानी कई तरह की गेंदों का इस्तेमाल किया गया। खासकर नबी ने पूरे जोश के साथ बॉलिंग की, क्योंकि बाकी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा को कई दिनों तक चले मैच के बाद आराम दिया गया था।

गुरनूर बन सकते हैं भारत के 'एक्स फैक्टर': महरूफ

कोलकाता। भारत और श्रीलंका के बीच शनिवार से गॉल में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले श्रीलंका के पूर्व हरफनमौला फरवीज महरूफ ने युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को भारतीय टीम का संभावित 'एक्स फैक्टर (तुरुप का इक्का)' करार देते हुए कहा कि जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में 26 साल के इस तेज गेंदबाज को टेस्ट पदार्पण का मौका दिया जाना चाहिए। दक्षिण अफ्रीका से घरेलू श्रृंखला को 0-2 से गंवाने के बाद भारत डब्ल्यूटीसी तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम श्रीलंका के खिलाफ इस अहम श्रृंखला में चोटिल बुमराह के बिना उतरेगी। मोहम्मद सिराज के तेज आक्रमण की अगुवाई करने की उम्मीद है, जबकि अंतिम एकादश में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह गुरनूर बराड़ को मौका मिलने की चर्चा भी तेज है। महरूफ ने कहा कि पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग कराने की बुमराह की क्षमता भारत के लिए सबसे बड़ी कमी साबित हो सकती है। उन्होंने कहा, ''बुमराह जिस तरह पुरानी गेंद से रिवर्स स्विंग कराते हैं, वह भारत के लिए बड़ा हथियार है और उनकी गैरमौजूदगी निश्चित रूप से महसूस होगी। विकेट निकालने की क्षमता में कमी आ सकती है। मोहम्मद सिराज बेहतरीन गेंदबाज हैं, लेकिन दोनों की तुलना करें तो अंतर साफ दिखाई देता है।'

द हंड्रेड

मिशेल बने एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिशेल मार्श का बल्ला साल 2026 में जमकर चल रहा है, और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मिशेल मार्श ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टी20 में एक कैलेंडर ईयर में 1500 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। मार्श ने यह उपलब्धि द हंड्रेड में सनराइजर्स लीड्स की तरफ से खेलते हुए हासिल की। हेडिंग्ले के लीड्स में वेल्श फायर के साथ खेले गए मुकाबले में मार्श ने 34 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। इस अर्धशतकीय पारी की बदौलत इस साल उनके कुल टी20 रनों की संख्या 1502 हो गई और ऐसा करने वाले वह पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए।

मार्श की पारी

साल 2026 में मार्श ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 7 टी20 मैचों में 230 रन, आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए खेलते हुए 13 मैचों में 563 रन, बिग बैश लीग (बीबीएल) में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए 8 मैचों में 335 रन और द हंड्रेड के मौजूदा सीजन में 7 मैचों में 374 रन बना चुके हैं।

तोड़ा टिम डेविड का रिकॉर्ड

एक कैलेंडर ईयर में सर्वाधिक टी20 रन बनाने टिम डेविड के रिकॉर्ड को मिशेल मार्श ने तोड़ा। डेविड ने 2022 में 73 टी20 मुकाबलों में अलग-अलग सात टीमों के लिए खेलते हुए 1461 रन बनाए थे। मार्श ऑस्ट्रेलिया टी20 टीम के अलावा दुनिया भर की बड़ी टी20 लीग में खेलते हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी वाली क्षमता ने उन्हें लीग और फ्रेंचाइजियों का पसंदीदा बल्लेबाज बनाया है।

आईसीसी रैंकिंग

चामरी ने लगाई 5 पायदान की छलांग, 36वें नंबर पर पहुंची

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। श्रीलंकाई टीम की कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम की ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गईं। वहीं इमेशा दुलानी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गईं।

संधू, शवाल और तुबा की रैंकिंग में शानदार सुधार

पाकिस्तानी महिला टीम की नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

49वें नंबर पर पहुंची शवाल ज़ुल्फिकार

पाकिस्तान की शवाल ज़ुल्फिकार ने सीरीज में सर्वाधिक 132 रन बनाए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ वह ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 49वें नंबर पर पहुंच गईं। इस बीच ऑलराउंडर्स की सूची में भी बदलाव देखने को मिला, जिसमें श्रीलंका की कविशा दिलहारी एक स्थान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर पहुंच गईं। 25 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज में सर्वाधिक विकेट लिए और फाइनल मैच में भी दो विकेट अपने नाम किए।

विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतना लक्ष्य : सलीमा

नई दिल्ली। एफआईएच नेशंस कप की खिताबी जीत से उत्साहित भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि विश्व कप 2026 में कठिन पूल में होने के बावजूद टीम का लक्ष्य शीर्ष स्थान हासिल करना और स्वर्ण पदक जीतना है।भारतीय टीम न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास और शानदार लय के साथ विश्व कप में उतरेगी। टेटे का मानना है कि इस जीत से मिला मनोबल टीम को विश्व कप जैसे सबसे बड़े मंच पर भी पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में किया जाएगा। टेटे ने कहा, 'इस बार एफआईएच हॉकी विश्व कप हमारा होगा। हम समझदारी के साथ आक्रामक हॉकी खेलेंगे और पदक लेकर लौटेंगे। मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है। हमारे पास यह उपलब्धि हासिल करने की पूरी क्षमता है।'

पुणे में 23 अगस्त तक चलेगी प्रतियोगिता, 30 टीमें लेंगी हिस्सा

आज से जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट, पूल डी में छत्तीसगढ़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पुणे में बुधवार से शुरू होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026 में तीन वर्गों में कुल 30 टीमें भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट 23 अगस्त तक चलेगा, जिसमें टीमों को डिवीजन ए, डिवीजन बी और डिवीजन सी में रखा गया है। इस प्रतियोगिता में टीमें न केवल खिताब के लिए बल्कि अपने से ऊपर वाले डिवीजन में पहुंचने का भी प्रयास करेंगी।

डिवीजन ए में 12 टीमें हैं, जिन्हें चार पूल में विभाजित किया गया है। पूल ए में झारखंड, पंजाब और चंडीगढ़, पूल बी में हरियाणा, ओडिशा और बंगाल, पूल सी में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मणिपुर तथा पूल

डी में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

12 टीमें खिताब के लिए करेंगी प्रतिस्पर्धा

डिवीजन ए की 12 टीमें प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चैंपियनशिप खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस डिवीजन में 11वें और 12वें स्थान पर रहने वाली टीमें अगली प्रतियोगिता के लिए डिवीजन बी में खिसक जाएंगी।

प्रज्ञानानंदा ने सेवियन से खेला आसान ड्रॉ

एजेंसी ▶▶| सेंट लुई

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप के पहले दौर में अपने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी सैमुअल सेवियन के साथ आसान ड्रॉ खेला। इस वर्ष के टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त फैबियानो कारुआना 10 खिलाड़ियों के 9 दौर की इस प्रतियोगिता के पहले दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी रहे, जिससे उन्होंने शुरुआती बढ़त बना ली है। उन्होंने नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट को हराया।

सिंदारोव ने अरोनियन के साथ किया अंक साझा

विश्व चैंपियनशिप के दावेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने आर्मेनियाई मूल के अमेरिकी खिलाड़ी लेवोन अरोनियन के साथ अंक साझा किए, जबकि जर्मनी के विन्सेंट कीमर ने अमेरिका के वेस्ली सो से बाजी ड्रॉ खेली। नीदरलैंड के अनीश गिरी ने भी फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ ड्रॉ खेला।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विद्युत कार्य हेतु ई-निविदा सूचना
निविदा सूचना क्रमांक: 27-सीईई-सी-एसईसीआर-2026, दिनांक: 03.08.2026. **कार्य का नाम:** "दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन में बिलासपुर – झारसुगुड़ा चौथी लाइन के सिलसिले में बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच चौथी लाइन का अतिरिक्त और बचा हुआ इलेक्ट्रिकल जनरल सर्विस का काम।" **निविदा मूल्य:** ₹ 2,75,32,705.57 (₹ दो करोड़ पचहत्तर लाख बत्तीस हजार सात सौ पाँच रुपये और सत्तावन पैसे) मात्र। **बयाना राशि:** ₹ 5,50,700/- (₹ पाँच लाख पचास हजार सात सौ रुपये) मात्र।
निविदा बंद होने की तिथि व समय: 25.08.2026 को 15:30 बजे। निविदा खुलने की तिथि व समय: 25.08.2026 को 15:45 बजे। कार्य पूर्ण होने की अवधि: स्वीकृत का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह।
वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान: उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई–निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई–निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।
उप मुख्य विद्युत अभियंता(निर्माण)/
सीपीआर/10/पीएच/332 बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना
क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्या: डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-141-26-27, दिनांक: 28.07.2026.
कार्य: बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट के अंतर्गत, आने वाले बीसीएन डिपो बिलासपुर में ड्रेनेज सिस्टम को अपग्रेड करना और अन्य सुधार कार्य करना। **निविदा मूल्य:** ₹ 46,57,082.46. **अमानत राशि:** ₹ 93,200/-. **कार्य पूर्णता की अवधि:** 09 माह।
क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्या: डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-148-26-27, दिनांक: 28.07.2026.
कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियंता/सेटलमेंट के अंतर्गत, दो साल की अवधि के लिए क्लोरीन डोजिंग पंपों और वॉटर प्यूरीफायर का सालाना रखरखाव कार्य करना। **निविदा मूल्य:** ₹ 27,88,860.23. **अमानत राशि:** ₹ 55,800/-. **कार्य पूर्णता की अवधि:** 24 माह।
क्र.संख्या (3) ई-निविदा संख्या: डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-149-26-27, दिनांक: 28.07.2026.
कार्य: बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता पेंड्रा के अंतर्गत, रेलवे के विनिर्देश अनुसार पेंड्रा (पीएनडी) डिपो में रेलवे भूमि के बाहर से 50 मिमी गेज का 3,50,000 घन मीटर मशीन द्वारा तोड़े गए ट्रैक बैलास्ट की आपूर्ति, सुपुर्दगी तथा ढेर लगाना एवं रेलवे वैगन में लदान करना। **निविदा मूल्य:** ₹ 44,94,00,000/-. **अमानत राशि:** ₹ 89,88,000/-. **कार्य पूर्णता की अवधि:** मानसून अवधि को छोड़कर 24 महिने।
निविदा जमा करने की आरंभ तिथि: 11.08.2026। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: 25.08.2026 के 11.00 बजे तक।
उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।
मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/पीएच/316 बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

खाद्य तेलों के कम वजन पर अब बैन, खेल करके नहीं वसूल पाएंगे मनमाने दाम

रायपुर। खाद्य तेलों में करीब एक साल से वजन कम करके जो मनमाने दाम वसूलने का खेल रहा था, उस पर अब केंद्र सरकार ने पूरी तरह से बैन लगा दिया है। अब उत्पादक कंपनियों को पहले की तरह ही एक लीटर का पाउच बनाना पड़ेगा। छूट मिलने के बाद एक लीटर के स्थान पर 650, 750 और 800 एमएल के पाउच बनाकर ग्राहकों को भ्रम में डालकर ठगने का काम हो रहा है।

कम वजन की छूट जिस मकसद से दी गई थी, उसके स्थान पर ग्राहक लुट रहे थे। ऐसे में केंद्र सरकार ने ग्राहकों को राहत देने के लिए वजनों का एक बार फिर से मानक तय कर दिया है, लेकिन इसी के साथ कंपनियों और कारोबारियों को अपना पुराना स्टाक खपाने के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया है। किसी भी हाल में एक सितंबर के बाद कम वजन वाले खाद्य तेलों के पाउच नहीं बिकेंगे। खाद्य तेलों में पहले सभी कंपनियों के एक लीटर के ही पाउच आते थे। इसी के साथ पांच लीटर के साथ 15 किलो का टिन का तेल आता था। लेकिन गरीब परिवारों को जो एक लीटर का पाउच नहीं ले पाते हैं, उनको राहत देने के लिए तेल की उत्पादक कंपनियों को कम वजन करके पाउच बनाने की छूट दी गई थी।

एक सितंबर से कम वजन वाले खाद्य तेलों के पैक नहीं बिकेंगे

छूट में होने लगी लूट

केंद्र सरकार ने तो गरीब परिवारों को राहत देने के लिए खाद्य तेलों के पाउच को किसी भी वजन में बनाने की छूट दी थी। लेकिन इस छूट में कई कंपनियां लूट करने लगी। छूट मिलने के बाद इसके पैक अब अलग-अलग कंपनियां अपनी मर्जी से कर रही हैं तो इसमें कीमत का खेल हो रहा है। कम वजन के कारण दाम ज्यादा देने पड़ रहे हैं। एक उदाहरण हरेली तेल का ही लेते हैं। इस तेल के दाम हमेशा कीर्ति गोल्ड के सोया तेल से कम से कम पांच रुपए कम रहते हैं, लेकिन अब इसके दाम उससे ज्यादा हो गए हैं। इसके पीछे वजन का खेल है। हरेली ने अब एक लीटर का पैक ही बंद कर दिया है। अब 730 ग्राम यानी 800 एमएल का पैक लाया गया है। इसके चिल्हर में दाम 130 रुपए हैं। यानी एक लीटर के दाम हो गए 162.50 रुपए।

कचरे के ढेर में मिला अनोखा फंगस, सबसे जिद्दी प्लास्टिक को खाकर कर देता है खत्म

इस्लामाबाद। दुनिया भर में बढ़ता प्लास्टिक कचरा वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के लिए चिंता की एक प्रमुख वजह बना हुआ है। सैकड़ों साल तक प्लास्टिक का नष्ट न होना इसकी सबसे बड़ी वजह है, लेकिन वैज्ञानिकों ने दुनिया के सबसे जिद्दी प्लास्टिक के दुश्मन को खोज लिया है। यह एक फंगस है जो प्लास्टिक खाता है। इसे पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में कचरा फेंकने वाली जगह की मिट्टी से अलग किया गया था। वैज्ञानिकों को स्टडी में पता चला है कि एस्परगिलस ट्यूबिंगेसिस नाम का यह फंगस पॉलिएस्टर पॉलीयुरेथेन को तोड़ सकता है। पीयू एक मजबूत प्लास्टिक है, जिसका इस्तेमाल सिंथेटिक लेदर कोटिंग से लेकर कुशन, इंसुलेशन और दूसरे इंडस्ट्रियल मटीरियल उत्पादों में किया जाता है। इस फंगस के बार में पहली जानकारी साल 2017 में एनवायरनमेंटल पॉल्यूशन में प्रकाशित स्टडी में दी गई थी।

मिल्क प्रोडक्शन की दुनिया में बड़ा चमत्कार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में पहली बार ऐसा एक्सपेरिमेंट हुआ है, जहां सरोगेट टेक्निक से मुर्रा नस्ल की चार बछड़ों ने जन्म लिया है, जिनमें से तीन मादा और एक नर है। यूं तो एक भैंस अपने पूरी लाइफ में केवल 8 से 10 बच्चे ही दे पाती है, लेकिन अब इस मॉडर्न एम्ब्रियो ट्रांसफर टेक्निक की मदद से एक ही बढ़िया ब्रीड की भैंस से साल भर में 50 से ज्यादा हाइब्रिड के बच्चे पैदा किए जा सकते हैं। पुणे के तथावड़े स्थित ईटी-आईवीएफ लैब में शोधकर्ताओं ने स्वप्निल कलाटे नाम के किसान की सबसे ज्यादा दूध देने वाली मुर्रा भैंस को चुना। 11 सितंबर को इस डोनर भैंस से 16 अंडे निकाले गए और उन्हें लैब में अच्छी नस्ल वाले सांड के सीमन से फर्टिलाइज कराया गया। 6 दिनों के भीतर 5 बेहतरीन भ्रूण यानी कि एम्ब्रियो तैयार हो गए।

- **एंब्रियो ट्रांसफर से अब एक भैंस से होंगे साल भर में 50 से ज्यादा बच्चे**

फेस लिफ्ट
• बोटाक्स
• फिलर
• थ्रेड लिफ्ट
• स्कीन पॉलिशिंग
• लेज़र फेशियल

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

इमली की गुठलियों से बच्चों ने बना डाली पानी साफ करने वाली टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली। पानी में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक आज पूरी दुनिया के लिए एक अदृश्य और जानलेवा खतरा बन चुका है। बड़े-बड़े वैज्ञानिक और महंगे वाटर प्यूरीफायर भी इस सूक्ष्म प्लास्टिक को पानी से निकालने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। लेकिन, भारत के तीन 16 साल के स्कूली छात्रों ने इस गंभीर समस्या का एक बेहद आसान, प्राकृतिक और सस्ता समाधान ढूंढ निकाला है। रसोई के बेकार कचरे यानी इमली के बीजों की मदद से उन्होंने एक ऐसा पाउडर तैयार किया है जो पानी से माइक्रोप्लास्टिक को चुंबक के जरिए खींचकर अलग कर देता है। उनके इस क्रांतिकारी प्रोजेक्ट 'प्लस-स्टिक' ने उन्हें इंटरनेशनल लेवल पर पर्यावरण क्षेत्र का सबसे प्रतिष्ठित 'द अर्थ प्राइज 2026' दिलवाया है।

इमली का बीज ही क्यों चुना?

ग्रामीण इलाकों में पानी के इस्तेमाल और भंडारण को देखकर छात्रों को समझ आया कि जहां महंगी मशीनें नहीं पहुंच सकतीं, वहां स्थानीय और सस्ती चीजों का इस्तेमाल करना होगा. उन्होंने भारत में हर घर में मिलने वाली और कचरे में फेंकी जाने वाली इमली की गुठलियों पर शोध किया। इमली के बीजों से बना पाउडर जब दूषित पानी में मिलाया जाता है, तो यह माइक्रोप्लास्टिक के सूक्ष्म कणों को आपस में चिपकाकर बड़े टुकड़ों में बदल देता है।

पर्यावरण के लिए दोहरी जीत और भविष्य की उम्मीदें

यह इनोवेशन पर्यावरण के लिए दोहरी जीत साबित हो रहा है। पहला यह कि यह कृषि कचरे यानी इमली की गुठलियों का सही इस्तेमाल करता है और दूसरा यह कि पानी को जहरीले प्लास्टिक से मुक्त बनाता है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला और परीक्षण के चरण में है, लेकिन अगर यह बड़े पैमाने पर सफल होती है तो दुनिया भर के जल संकट को दूर करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी.

बिना बिजली और फिल्टर के काम करती है तकनीक

इस आविष्कार की सबसे खास बात इसकी सादगी है। जब इमली का पाउडर पानी के प्लास्टिक कणों को एक साथ इकट्ठा कर लेता है, तो उन्हें हाथ में पकड़े जाने वाले चुंबक की मदद से आसानी से बाहर खींच लिया जाता है। इसके लिए न तो बिजली की जरूरत होती है और न ही महंगे फिल्टर कार्ट्रिज की।

पानी में छिपे खतरे का प्राकृतिक इलाज

माइक्रोप्लास्टिक बेहद छोटे प्लास्टिक के कण होते हैं जो कपड़े, बोतल और प्लास्टिक की चीजों के टूटने से पानी में मिल जाते हैं। ये कण इतने छोटे होते हैं कि सामान्य फिल्टर इन्हें रोक नहीं पाते। इस समस्या को सुलझाने के लिए भारत के 16 वर्षीय छात्रों विवान छावछरिया, एरियाना अग्रवाल और अव्याना मेहता ने 'प्लस-स्टिक' नाम का बायोडिग्रेडेबल पाउडर विकसित किया है।

कम डाउन पेमेंट ₹5 999/-^ | Hero GoodLife चांदी का सिक्का जीतने का मौका* | pine labs कैशबैक ₹5 000/- तक# | टोल फ्री 1800 266 0018

India's First 5 Year Warranty *Conditions apply

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II. New Delhi-110070, India. ICIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *Offer valid only on purchase of new Hero Two Wheeler & Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st Aug. 2026. #The Cashback of 5% upto ₹5000 is applicable on the transaction between ₹30 000 to ₹1 00 000. The new revised ex-showroom price is valid for a limited period only. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. ~Ex-showroom price of HF Deluxe Canvas variant applicable in Chhattisgarh. *Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, लखनपुर : पीएन ऑटोमोबाइल्स, 8839193005, बटौली : इक्छा ऑटोमोबाइल्स, 8770232677, कुसमीः बोल्बम ऑटो, 8120191597, विश्रामपुरः ख़ुशी ऑटोमोबाइल, 9826775718, झरगांवः ऐबानी मोटर्स, 7849000000, रामानुजनगर : जयसवाल ऑटो, 9926015773, बलंगीः नमो ऑटोमोबाइल्स, 9977876863, भैयाथानः आनंद ऑटोमोबाइल्स, 9977221111, प्रेमनगरः मानस ऑटोमोबाइल्स, 9131301594, लोरमीः महेश मोटर्स, 7974700929, खैरागढ़ः पुष्पक बिक्री, 9425554343, भानपुरीः अपराशा ऑटोमोबाइल्स, 9981009491, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्: उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com